दैनिक
प्रदेश वर्तमान
समय के साथ, प्रदेश की आवाज
RNI NO. MPHIN/2019/79278

भोपाल, इंदौर से एक साथ प्रकाशित ■ वर्ष-6 ■ अंक 332 वैशाख-शुक्ल-दशमी भोपाल, सोमवार 27 अप्रैल 2026 पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2 रुपए संपादक : हरीश कासेकर

मौसम

	अधिकतम	न्यूनतम
भोपाल	38.4	27.1
इंदौर	38.1	28.3
जबलपुर	37.9	27.3
ग्वालियर	40.8	29.1

संक्षिप्त समाचार

टेकऑफ से पहले दिल्ली-ज्यूरिख विमान के इंजन में आग

नई दिल्ली। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार तड़के एक बड़ा विमान हादसा टल गया, जब दिल्ली से ज्यूरिख जा रही स्विस इंटरनेशनल एयरलाइंस (स्विस) की फ्लाइट एलएक्स147 के इंजन में अचानक खराबी आ गई और उसमें आग की लपटें दिखाई देने लगीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पायलट ने तत्काल टेकऑफ रद्द कर दिया और विमान को रनवे पर ही रोक दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एयरबस ए330 विमान रात करीब 1:08 बजे रनवे 28 पर टेकऑफ के लिए तेजी से दौड़ रहा था। इसी दौरान एक इंजन में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद आग लगने की आशंका पैदा हो गई। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, विमान लगभग 104 नॉट्स की रफ्तार तक पहुंच चुका था, लेकिन समय रहते निर्णय लेते हुए क्रू ने टेकऑफ रोक दिया। स्थिति को देखते हुए यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सुरक्षा के लिए तुरंत इमरजेंसी इवेक्यूएशन का निर्णय लिया गया। यात्रियों को आपातकालीन स्लाइड के जरिए विमान से बाहर निकाला गया। इस दौरान अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई, जिसमें छह यात्री घायल हो गए।

प्रकाश का राघव पर तंज....पुलिस फोर्स से हटे दाऊद गैंग से जुड़े

मुंबई। आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को लेकर राजनीतिक और सोशल मीडिया हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी क्रम में अभिनेता प्रकाश राज ने भी उन पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी की है, जिसने विवाद को और हवा दे दी है। प्रकाश राज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में लिखा, 'मैं पुलिस फोर्स छोड़ रहा हूं क्योंकि वे अपराध से लड़ने के अपने मूल्यों से भटक गए हैं, इसलिए मैं दाऊद इब्राहिम से जुड़ रहा हूं।' इसके साथ उन्होंने यह टिप्पणी राघव चड्ढा से जोड़ते हुए कटाक्ष किया और जस्ट आस्किंग हैशटैग का इस्तेमाल किया। उनकी इस टिप्पणी को कई लोग राजनीतिक व्यंग्य के तौर पर देख रहे हैं, जबकि कुछ ने इसे आपत्तिजनक भी बताया है। सोशल मीडिया पर इस बयान को लेकर समर्थकों और विरोधियों के बीच बहस छिड़ गई है। दरअसल, हाल ही में राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया।

टीएमसी सरकार में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं

रोड शो में मोदी बोले-बंगाल में भाजपा की जीत तय

» कोलकाता में काली मंदिर गए, जनता का जताया आभार

■ कोलकाता, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के बनगांव और हुगली के हरिपाल में रैली की। उन्होंने बनगांव में कहा, 'पहले फेज के मतदान में ज़ख्ष्ट का घमंड टूट चुका है। दूसरे चरण में भाजपा की जीत तय होती दिख रही है।

पीएम ने कहा, '15 साल पहले टीएमसी 'मां, माटी, मानुष' का नारा देकर सत्ता में आई थी, आज वे इन शब्दों को बोल भी नहीं पाते। अगर बोलेंगे, तो इनके पाप सामने आ जाएंगे। टीएमसी के राज में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं है।' प्रधानमंत्री मोदी ने कोलकाता के एतिहासिक 300 साल पुराने थंथनिया कालीबाड़ी मंदिर में मां सिद्धेश्वरी काली के दर्शन किए। यह मंदिर कोलकाता के सबसे प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इसके बाद उन्होंने रोड शो किया।

पीएम मोदी की जनता से अपील, जनगणना सफल बनाए

मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जनगणना 2027 को मिलकर सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना होने वाली है। देश की जनगणना सिर्फ सरकारी काम नहीं है। यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, देश में वर्तमान में एक बहुत अहम अभियान चल रहा है, जिसके बारे में हर भारतीय को जानकारी होनी जरूरी है। ये जनगणना से जुड़ा अभियान है। जो साथी पहले से इस तरह की प्रक्रिया से गुजरे हैं, इस बार जनगणना का उनका अनुभव अलग होने वाला है।

बंगाल में चल रही थी शुभेंदु की जनसभा, नाराज होकर मंच से उतर रैली छोड़ चली गईं ममता

वेस्ट बंगाल विधानसभा चुनाव में सबसे हाई प्रोफाइल सीट भवानीपुर के लिए चल रही ज़ोरदार लड़ाई अपने चरम पर पहुंच चुकी है। यहां तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच जबरदस्त झड़प हुई। मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रत्याशी ममता बनर्जी झड़प को लेकर इतनी नाराज हो गईं कि वे अपनी जनसभा संबोधन चंद मिनट में खत्म कर चली गईं। दूसरी ओर बीजेपी प्रत्याशी शुभेंदु अधिकारी ने ममता की नाराजगी पर केवल इतना कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता केवल अपनी जनसभा की तैयारी कर रहे थे। इसमें किसी को इतना नाराज होने की क्या बात है।

व्हाइट हाउस डिनर में फायरिंग से हड़कंप

» ट्रंप बोले-हम डरने वाले नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान एक बड़े सुरक्षा हादसे ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। इस कार्यक्रम के दौरान एक संदिग्ध हमलावर द्वारा फायरिंग की घटना सामने आई, जिसके बाद तत्काल सुरक्षा एजेंसियों ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घटना के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि आरोपी के पास 'कई हथियार' थे और वह कैलिफोर्निया का रहने वाला है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संदिग्ध की पहचान 31 वर्षीय कोल टॉमस एलेन के रूप में हुई है, जो टॉरेंस, कैलिफोर्निया का निवासी बताया जा रहा है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर आरोपी की तस्वीरें और एक वीडियो क्लिप भी साझा की, जिसमें वह सुरक्षा चेकपॉइंट पार करने की कोशिश करते हुए नजर आ रहा है, हालांकि सुरक्षा कर्मियों ने उसे तुरंत काबू में कर लिया। घटना के समय राष्ट्रपति ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप भी कार्यक्रम में मौजूद थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से उन्हें और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

मुरैना को मिला सैनिक स्कूल, 80 सीटों के साथ शुरुआत

मुरैना। मुरैना में रक्षा मंत्रालय द्वारा टीएसएस स्कूल के सहयोग से पीपीटी मोड़ पर स्थापित सैनिक स्कूल का रविवार को विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार माहेश्वरी रहे, जिन्होंने शिलान्यास पट्टिका का लोकार्पण कर स्कूल की शुरुआत की। इस स्कूल में 80 सीटों के साथ प्रवेश की व्यवस्था की गई है। रक्षा मंत्रालय ने पिछले एक माह के भीतर टीएसएस स्कूल की नई बिल्डिंग और हॉस्टल को अपने अधीन लेकर आवश्यक तैयारियां पूरी की थीं, जिसके बाद आज औपचारिक रूप से स्कूल का संचालन शुरू किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई।

खजुराहो में तापमान 45 डिग्री पर पहुंचा

भोपाल में रिकॉर्ड गर्मी, स्कूलों की छुट्टी घोषित

» दोपहर में सड़कों पर पसरा सन्नाटा

■ भोपाल, एजेंसी।

मध्य प्रदेश में मौसम का दोहरा असर देखने को मिल रहा है। एक ओर आंधी-बारिश से कुछ जिलों में राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर भीषण गर्मी ने कई शहरों में रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। भीषण गर्मी को देखते हुए कई जिलों में स्कूलों में छुट्टियां घोषित की गई हैं। भोपाल में 8वीं तक के सभी स्कूल 30 अप्रैल तक बंद कर दिए गए हैं। इंदौर में 27 से 30 अप्रैल तक आंगनवाड़ी और 8वीं तक के स्कूलों में अवकाश रहेगा, जबकि 9वीं से 12वीं तक की कक्षाएं सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित होंगी। ग्वालियर और उज्जैन में भी 8वीं तक के स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। रविवार को महू, भोपाल, सीहोर और रतलाम समेत कई इलाकों में बारिश हुई, लेकिन इसके बीच प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया। रविवार शाम करीब 4 बजे महू में तेज बारिश हुई, जबकि भोपाल के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई। सीहोर और रतलाम में भी अच्छी बारिश हुई, जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली। हालांकि, बारिश के बावजूद गर्मी का असर कम नहीं हुआ और कई जिलों में पारा खतरनाक स्तर पर पहुंच गया।

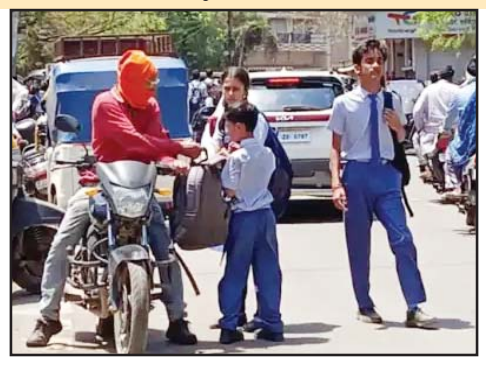

22 जिलों में लू का अलर्ट

मौसम विभाग ने प्रदेश के 22 जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है। ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, रायसेन, नर्मदापुरम, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, धार और अलीराजपुर में तेज गर्म हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है।

सांसदों के आप छोड़ने पर बोले अन्ना-

जनता के साथ किया विश्वासघात

अहिल्यानगर। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के भाजपा में शामिल होने पर प्रतिक्रिया देकर सख्त दलबदल विरोधी कानून की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था में नेता अक्सर व्यक्तिगत स्वार्थ के आधार पर पार्टी बदल लेते हैं, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान होता है। सामाजिक कार्यकर्ता हजारे ने स्पष्ट किया कि भारतीय संविधान का मूल उद्देश्य समाज और राष्ट्र का कल्याण है, न कि राजनीतिक दलों के हितों की रक्षा। उनके अनुसार, आज समाज में बढ़ते विवाद और टकराव के पीछे राजनीतिक पार्टियों की भूमिका भी बड़ा कारण है। उन्होंने कहा कि जब तक दलबदल को रोकने के लिए कठोर कानून नहीं बनेगा, तब तक नेता अपने फायदे के लिए दल बदलते रहने वाले है। उन्होंने कहा कि अगर एक प्रभावी और सख्त दलबदल विरोधी कानून लागू होता है, तब इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने सीधे तौर पर सांसदों के इस कदम की आलोचना करने से परहेज कर कहा कि अंतिम जिम्मेदारी जनता की है। सामाजिक कार्यकर्ता हजारे ने मतदाताओं को लोकतंत्र का 'राजा' बताकर कहा कि सही और गलत का निर्णय अंतत: जनता के हाथ में होता है।

डॉ. नरेश कुमार ने कहा-शीशमहल 2 जैसे विवाद छोड़कर

दिल्ली के असली मुद्दे हल किए जाएं

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने कथित शीशमहल 2 विवाद पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि दिल्ली की जनता को राजनीतिक विवाद, आरोप-प्रत्यारोप और बयानबाजी नहीं बल्कि अपने रोजमर्रा के मुद्दों के तत्काल समाधान की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एक तरफ भाजपा ऐसे मामलों को उठाकर जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है, जबकि दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी अपनी बची हुई राजनीतिक साख बचाने और सफाई देने में लगी हुई है। ऐसे समय में सिर्फ कांग्रेस ही लगातार जनता के मुद्दों को गंभीरता से उठा रही है। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर नया शीशमहल बनाने का आरोप लगाया था। उन्होंने लोधी रोड स्थित 95 नंबर कोठी की कुछ कथित तस्वीरें जारी करते हुए उसे शीशमहल 2 बताया था। इसके जवाब में आम आदमी पार्टी नेता आतिशी ने दावा किया कि जारी की गई तस्वीरें अरविंद केजरीवाल के घर की नहीं हैं, बल्कि इंटरनेट से डाउनलोड की गई तस्वीरें हैं। इसके बाद आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए प्रवेश वर्मा पर हमला किया और सोशल मीडिया पर उन्हें 'उल्लू' कहकर संबोधित किया, जिसके बाद राजनीतिक बयानबाजी और तेज हो गई।

4 दिन में 1.24 लाख लोग पहुंचे केदारनाथ

भैरवनाथ के कपाट खुलने के बाद सांयकालीन आरती शुरू

» बद्रीनाथ में अब तक 37,884 श्रद्धालु पहुंचे

■ रुद्रप्रयाग, एजेंसी।

केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। अब तक करीब 1 लाख 24 हजार 782 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं, जिससे यात्रा को लेकर उत्साह साफ दिखाई दे रहा है। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दर्शन को सुचारू बनाने के लिए टोकन व्यवस्था लागू की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को बिना लंबी प्रतीक्षा के आसानी से दर्शन हो पा रहे हैं। धाम में ठहरने, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था की गई है। साथ ही, श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें और निश्चिंत होकर यात्रा करें। रुद्रप्रयाग जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि पिछले 4 दिनों से यात्रा सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है और सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह व्यवस्थित हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी टीमें मुस्तैदी से कार्य कर रही हैं। साथ ही भैरवनाथ जी के कपाट खुलने के साथ ही आज से केदारनाथ धाम में सांयकालीन आरती का शुभारंभ हो गया है। जिससे श्रद्धालुओं को एक और आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त होगा।

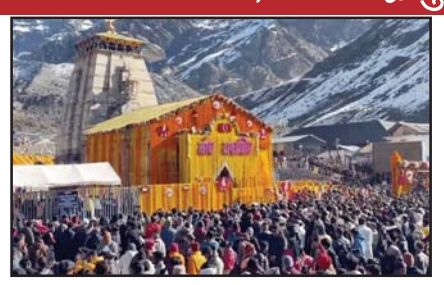

बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले ईडी की बड़ी कार्रवाई, नौ ठिकानों पर छापेमारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से ठीक पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राशन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अपनी जांच तेज कर दी है। केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने शनिवार सुबह करीब 9 बजे कोलकाता समेत राज्य के विभिन्न जिलों में एक साथ नौ ठिकानों पर छापेमारी शुरू की। यह कार्रवाई मुख्य रूप से कोलकाता, बर्दवान और हाबरा में स्थित उन परिसरों पर की जा रही है, जो राशन वितरण प्रणाली से जुड़े सप्लायर्स और एक्सपोर्टर्स के बताए जा रहे हैं। यह पूरी जांच सार्वजनिक वितरण प्रणाली में हुई कथित अनियमितताओं और उससे जुड़े करोड़ों रुपये के वित्तीय लेनदेन के इर्द-गिर्द घूम रही है। ईडी की टीमें अलग-अलग ठिकानों पर पहुंचकर महत्वपूर्ण दस्तावेज और वित्तीय रिकॉर्ड खंगाल रही हैं। जांच में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने मिलकर गरीबों के हक का गेहूं अवैध तरीके से हड़प लिया। आरोप है कि सप्लायर्स, डीलरों और बिचौलियों के एक संगठित नेटवर्क के जरिए सरकारी गेहूं को कम कीमत पर खरीदा गया और फिर उसे सिस्टम से बाहर कर दिया गया। घोटाले को छिपाने के लिए भारतीय खाद्य निगम और राज्य सरकार के चिन्ह वाले बोरों को बदलकर गेहूं की पहचान मिटा दी गई, ताकि उसे खुले बाजार या विदेशों में निर्यात किया जा सके। इस मामले में पूर्व तृणमूल कांग्रेस सांसद और अभिनेत्री नुसरत जहां की मुश्किलें भी बढ़ती नजर आ रही हैं। यह मामला मुख्य रूप से कोविड-19 लॉकडाउन के समय का है, जब बशीरहाट के सीमावर्ती इलाकों में बांग्लादेश को गेहूं और चावल की तस्करी करते हुए कई ट्रक जब्त किए गए थे। उस समय नुसरत जहां बशीरहाट से ही सांसद थीं।

पंजाब में आप सरकार पर संकट के बादल?

» नेताओं के दावों से सियासत गरमाई....

■ चंडीगढ़, एजेंसी।

पंजाब की राजनीति में इन दिनों हलचल तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी (आप) के भीतर कथित असंतोष और नेताओं के बयानों ने भगवंत मान सरकार के भविष्य को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल ही में राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा समेत सात सांसदों के भाजपा में शामिल होने की खबरों और दावों के बाद विपक्षी दलों ने यह मुद्दा जोर-शोर से उठाया है। कांग्रेस और अन्य नेताओं के बयानों ने सियासी माहौल को और गरमा दिया है।

कांग्रेस नेता उदित राज ने दावा किया कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार पर खतरा मंडरा रहा है। वहीं पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने भी आप को सचेत रहने की सलाह देते हुए संकेत दिए कि पार्टी के भीतर असंतोष गहराता जा रहा है। जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद ने तो यह तक कह दिया कि आप के करीब 27 विधायक पार्टी छोड़ सकते हैं, जिससे सरकार की स्थिरता पर असर पड़ सकता है।

इन तमाम दावों के बीच आप छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी का बयान भी चर्चा में है। उन्होंने कहा कि यह फैसला उन्होंने 'पंजाब के हित' में लिया है। साहनी के अनुसार, पार्टी के भीतर लंबे समय से मतभेद चल रहे थे, खासकर राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे नेताओं को साइडलाइन किए जाने से असंतोष बढ़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी नेतृत्व ने कई महत्वपूर्ण सुझावों को नजरअंदाज किया और पंजाब से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता नहीं दिखाई। साहनी ने यह भी कहा कि उन्होंने पार्टी छोड़ने से पहले अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी और उन्हें संभावित घटनाक्रम के बारे में आगाह किया था। उनका दावा है कि पार्टी में केंद्र और राज्य के बीच तालमेल बनाने की कोशिशें भी नाकाम रहीं, जिससे विकास कार्य प्रभावित हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी का फोकस दीर्घकालिक योजनाओं के बजाय केवल चुनावी राजनीति तक सीमित रह गया है। हालांकि, इन सभी दावों के बावजूद अभी तक आप की ओर से विधायकों के बड़े पैमाने पर टूट की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पंजाब में सरकार गिराने के लिए विपक्ष को स्पष्ट बहुमत की जरूरत होगी, जो फिलहाल आंकड़ों के लिहाज से आसान नहीं दिखता।

फिलहाल यह पूरा घटनाक्रम दावों और आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित है, लेकिन इससे यह साफ है कि पंजाब की राजनीति में अस्थिरता की आशंका को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। आने वाले दिनों में स्थिति किस दिशा में जाती है, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

रविवार के दिन मैदान में कलेक्टरः 'आपका शहर आपकी जिम्मेदारी' के साथ फेस 3 पूर्ण

गंदगी फैलाने वालों पर प्रशासन सख्त, फोटो भेजने पर नागरिकों को मिलेगा प्रोत्साहन

» अब दीर्घकालीन प्लान की ओर कदमः 30 अप्रैल को पेश होगी डीपीआर

गुना- आर एस नरवर

नदियों और जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सतत प्रयास जारी हैं। स्वच्छता एवं कायाकल्प अभियान के अंतर्गत गुनिया का तीसरा चरण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। आज रविवार के दिन सुबह कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के नेतृत्व में जिला प्रशासन की टीम ने बड़ा पुल से लगभग डेढ़ किलोमीटर तक पैदल निरीक्षण कर वर्तमान स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर सीमित स्तर के अतिक्रमण चिन्हित हुए, जिनके संबंध में वर्षा ऋतु से पूर्व आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए, ताकि नदी के प्राकृतिक प्रवाह एवं मूल स्वरूप को बनाए रखा जा सके।

नदी किनारे कई स्थानों पर कचरे के ढेर पाए गए, जो स्वच्छता के लिए गंभीर चुनौती होने के साथ मानवजनित लापरवाही को भी उजागर करते हैं। इस पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि नालों एवं नदी में कचरा डालना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसा करते पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, ऐसे मामलों की सूचना देने वाले जागरूक नागरिकों को प्रोत्साहित करने की भी व्यवस्था की गई है। आमजन से अपील की गई है कि कहीं भी कचरा फैलाते या डंप करते हुए व्यक्ति दिखाई दे तो उसका फोटो या वीडियो बनाकर तत्काल प्रशासन को सूचित करें, ताकि प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

सकारात्मक पहल के तहत कुछ स्थानीय रहवासियों ने स्वयं आगे आकर कचरा हटाने और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग देने की सहमति भी दी है जो इस अभियान को जन आंदोलन का रूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आगामी कार्ययोजना के तहत 30 अप्रैल को गुनिया नदी परियोजना की डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) का विभिन्न हितधारकों के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। इस डीपीआर के माध्यम से नदी के संरक्षण को एक व्यापक एवं दीर्घकालीन प्रोजेक्ट के रूप में विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। इसके साथ ही अगले रविवार से अभियान के चौथे चरण की शुरुआत प्रस्तावित है।

कलेक्टर कन्याल ने बताया कि इस अभियान में स्थानीय नागरिकों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है, जो इसकी सफलता का प्रमुख आधार है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि 'आपका शहर, आपकी जिम्मेदारी' के भाव के साथ स्वच्छता में सहयोग करें, कचरा इधर-उधर न फेंकें और जल संरक्षण के महत्व को समझते हुए इस अभियान का हिस्सा बनें।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर अखिलेश कुमार जैन, एसडीएम गुना श्रीमती शिवानी पांडे, सीएमओ मंजुषा खत्री, तहसीलदार जी.एस. बैरवा सहित अन्य अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

चौपट नदी के टापू पर आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

जान जोखिम में डालकर ट्यूब के सहारे पहुंची टीम

» 25 हजार रुपये की अवैध मदिरा एवं लाहन जब्त

गुना- आर एस नरवर

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन में जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, विक्रय, संग्रहण, परिवहन एवं जहरीली शराब के विरुद्ध विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में संदीप शर्मा, उपायुक्त आबकारी संभाग ग्वालियर के निर्देशन तथा जिला आबकारी अधिकारी गुरुप्रसाद केवट के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई। आबकारी वृत्त गुना-1 के प्रभारी राधाकिशन अटारिया को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि कॉलोनी बजरंगगढ़ स्थित बीस भुजा मंदिर के पीछे चौपट नदी के बीच बने एक टापू पर अवैध मदिरा का निर्माण किया जा रहा है। सूचना के आधार पर आबकारी टीम मौके पर पहुंची, जहां पाया गया कि टापू गहरे पानी के बीच स्थित होने के कारण वहां पहुंचना बेहद कठिन था।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए टीम ने नदी किनारे रखे हवा भरे ट्यूब का सहारा लिया और जान जोखिम में डालते हुए टापू तक पहुंची। जांच के दौरान टापू पर 16 ड्रमों में लगभग 300 किलोग्राम लाहन भरा हुआ मिला। इसके साथ ही नदी किनारे 5 केनों में लगभग 64 लीटर हाथ भट्टी मदिरा भी बरामद की गई।

लाहन को मौके से लाना संभव नहीं होने के कारण उसे वहीं नष्ट किया गया। पूछताछ एवं जांच में पता चला कि उक्त अवैध मदिरा एवं लाहन सोनू केवट पुत्र रमेश केवट निवासी कॉलोनी बजरंगगढ़ का है।

जब्त मदिरा एवं लाहन का अनुमानित मूल्य लगभग 25,000 रुपये आंका गया है। आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। इस कार्रवाई में आबकारी आरक्षक गोविंद सिंह मीणा, अरुण कुमार शर्मा एवं महिला आरक्षक पूजा रघुवंशी की भूमिका सराहनीय रही। आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध सतत सख्त कार्रवाई जारी है।

मंत्रों के उच्चारण के साथ दी जाने वाली

आहुतियां वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं-यज्ञाचार्य गोपाल शास्त्री

» बहेरिया में रुद्र महायज्ञ का पंचम दिवसः अरुणि मंथन से अग्नि प्रकट, आज से हवन आरंभ

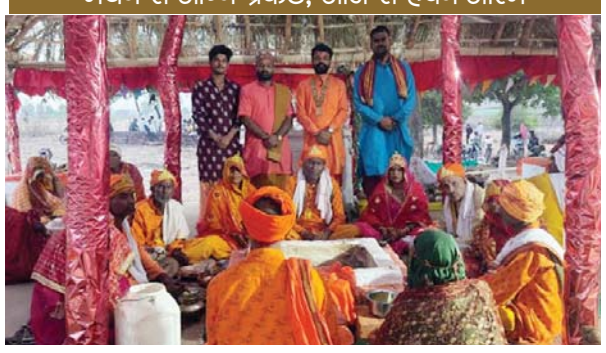

तेंदूखेड़ा जनपद क्षेत्र के बहेरिया ग्राम में आयोजित भव्य रुद्र महायज्ञ के पंचम दिवस का शुभारंभ अत्यंत श्रद्धा और वैदिक विधि-विधान के साथ हुआ। आज के विशेष अनुष्ठान में अरुणि मंथन के माध्यम से पवित्र अग्नि का प्राकट्य किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। वैदिक मंत्रोच्चार और आचार्यों के निर्देशन में सम्पन्न इस प्रक्रिया ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

यज्ञाचार्य पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया कि अरुणि मंथन द्वारा उत्पन्न अग्नि को अत्यंत पवित्र और दिव्य माना जाता है, क्योंकि यह परंपरागत विधि से उत्पन्न होकर यज्ञ की शुद्धता और प्रभाव को कई गुना बढ़ाती है। अग्नि प्राकट्य के साथ ही आज से विधिवत हवन अनुष्ठान का शुभारंभ हो गया, जिसमें श्रद्धालु आहुतियां देकर अपने जीवन में और देश क्षेत्र में सुख-शांति और समृद्धि की कामना कर रहे हैं। यज्ञाचार्य पंडित गोपाल शास्त्री ने हवन के वैदिक और वैज्ञानिक महत्व पर प्रभावशाली उद्बोधन दिया। उनके ज्ञानपूर्ण विचारों ने श्रद्धालुओं को न केवल धर्म की गहराई से परिचित कराया, बल्कि विज्ञान के दृष्टिकोण से भी हवन की उपयोगिता को समझाया। यज्ञाचार्य ने कहा कि वेदों में हवन को सृष्टि के संतुलन और मानव कल्याण का मूल आधार बताया गया है। मंत्रों के उच्चारण के साथ दी जाने वाली आहुतियां वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं, जिससे व्यक्ति, समाज और प्रकृति तीनों को लाभ मिलता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हवन केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि यह एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जो वायु शुद्धिकरण और स्वास्थ्य संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।उन्होंने विस्तार से बताया कि हवन में प्रयुक्त घी, औषधीय जड़ी-बूटियां और समिधाएं जब अग्नि में समर्पित होती हैं, तो उनसे निकलने वाली सूक्ष्म ऊर्जा और सुगंधित तत्व वातावरण में फैलकर हानिकारक जीवाणुओं को नष्ट करने में सहायक होते हैं।

गोविंद सागर बांध के पास स्थित ग्राम सभा की भूमि पर अवैध कब्जा

» हदबाहर क्षेत्र में स्थित है आराजी संख्या 1292/5 » दबंग खेती कर हर वर्ष कर रहे है बारे-न्यारे

ललितपुर। एक ओर जहां प्रशासन दावा कर रहा है कि किसी भी ग्राम सभा या सरकारी भूमि पर कोई भी अवैध कब्जा नही है। सभी सरकारी भूमि को अवैध कब्जा से मुक्त करा लिया गया है। यह दावा केवल कागजों तक सीमित है। हदबाहर की कई आराजी ऐसी है जिन पर कई वर्षो से अवैध कब्जा चला आ रहा है। लेखपालों को इसकी जानकारी भी है। परन्तु वह सरकारी भूमि को अवैध कब्जा से मुक्त कराने के लिये कोई प्रयास नही करते। केवल कागजों में रिपोर्ट दाखिल कर दी जाती है।

ऐसा ही मामला हदबाहर की आराजी संख्या 1292/5 में सामने आया है। इस भूमि का रकवा 3.59 हैक्टेयर (लगभग 8.87 एकड़) है। जिस पर कई वर्षो से अवैध कब्जा चला आ रहा है। कब्जाधारी हर वर्ष सरकारी भूमि पर खेती कर लाखों रूपये सरकार के राजस्व के डकार रहे है। ललितपुर नगर स्थित हदबाहर क्षेत्र में कई सरकारी/ ग्राम सभा की भूमि स्थित है। कई ग्राम पंचायतें भी नगर पालिका क्षेत्र में सम्मिलित हो गयी है। जिस कारण उन ग्राम सभाओं की सरकारी भूमि भी नगर क्षेत्र में शामिल हो गयी है। हदबाहर क्षेत्र में सैंकड़ों एकड़ भूमि ग्राम सभा की है। जिस पर सरकार की कोई नगर नही है। नेहरू नगर क्षेत्र में ग्राम सभा की कई भूमि पर तो अवैध कब्जा कर के प्लाटिंग भी कर दी गयी है।

अब हदबाहर क्षेत्र का एक नया मामला सामने आ रहा है कि गोविंद सागर बांध के पास स्थित आराजी संख्या 1292/5 जिसका रकवा 3.59 हैक्टेयर (लगभग 8.87 एकड़) है। इस भूमि पर पिछले कई वर्षो से अवैध कब्जा है। कई दबंग किस्म के लोग इस सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर के खेती कर रहे है और हर वर्ष लाखों रूपये की आय अर्जित कर रहे है। राजस्व विभाग के अधिकारियों को इसकी जानकारी है। परन्तु अब तक इस भूमि को अवैध कब्जा से मुक्त कराने के लिये कोई प्रयास नही किया गया। वहीं कागजों में यह भूमि सरकार के कब्जे में दर्शायी जाती है। इससे प्रतीत होता है कि राजस्व विभाग के अधिकारी व कर्मचारी जानबूझ कर इस भूमि को कब्जा मुक्त नही करा रहे है।

हदबाहर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हो रहे है अवैध कब्जा - हदबाहर क्षेत्र में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा का यह पहला मामला नही है। इससे पहले भी सरकारी भूमि पर दबंग भूमाफिया कब्जा कर चुके है। हदबाहर के क्षेत्र राजकीय महाविद्यालय, नेहरू नगर, बुढ़वार रोड़, राष्ट्रीय राजमार्ग आदि क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा हो चुका है। कई भूमि पर अवैध प्लाटिंग कर दबंग भू-माफिया बारे-न्यारे भी कर चुके है।

संसार में भगवान कृष्ण ही सृष्टि का सृजन, पालन और संहार करते हैंः पं. उमाशंकर शास्त्री

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा के समीप ग्राम खमरिया कला में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथा के दौरान पं उमाशंकर शास्त्री ने अपने प्रवचनों में कहा भगवान के चरणों में जितना समय बीत जाए उतना अच्छा है। इस संसार में एक-एक पल बहुत कीमती है। जो बीत गया सो बीत गया। इसलिए जीवन को व्यर्थ में बर्बाद नहीं करना चाहिए। भगवान द्वारा प्रदान किए गए जीवन को भगवान के साथ और भगवान के सत्संग में ही व्यतीत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भागवत प्रश्न से प्रारंभ होती है और पहला ही प्रश्न है कि कलयुग के प्राणी का कल्याण कैसे होगा। इसमें सतयुग, त्रेता और द्वापर युग की चर्चा ही नहीं की गई है। ऐसे में यह प्रश्न उठता है कि बार-बार यही चर्चा क्यों की जाती है, अन्य किसी की क्यों नहीं। इसके कई कारण हैं जैसे अल्प आयु, भाग्यहीन और रोगी। इसलिए इस संसार में जो भगवान का भजन न कर सके, वह सबसे बड़ा भाग्यहीन है। भगवान इस धरती पर बार-बार इसलिए आते हैं ताकि हम कलयुग में उनकी कथाओं में आनंद ले सकें और कथाओं के माध्यम से अपना चित्त शुद्ध कर सकें। व्यक्ति इस संसार से केवल अपना कर्म लेकर जाता है। इसलिए अच्छे कर्म करो। भाग्य, भक्ति, वैराग्य और मुक्ति पाने के लिए भगवत की कथा सुनो। खमरिया ग्राम के समस्त लोग सम्मिलित होकर के आनंद में भाव विभोर हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थित रही इसी क्षेत्र एवं आसपास के श्रद्धालु सम्मिलित हुए।

तौल के तुरंत बाद किसानो को पक्की रसीद दी जाए, जिससे भुगतान को लेकर किसी प्रकार की चिंता न रहे- कलेक्टर

» किसानों की सुविधा सर्वोपरि, उपार्जन व्यवस्था सुधारने कलेक्टर ने दिए निर्देश

दैनिक प्रदेश वर्तमान भोपाल
सुरेश दुबे ब्यूरो प्रमुख दमोह

दमोह। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने उपार्जन व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली और स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अवकाश के दिन का उपयोग करते हुए उन्होंने व्यवस्थाओं की जानकारी और कमियों पर फीडबैक लिया, ताकि समय रहते व्यवस्था में आवश्यक सुधार किया जा सके। उन्होने कहा प्रदेश सरकार के अनुरोध पर भारत सरकार ने गेहू खरीदी का लक्ष्य 100 लाख मीट्रिक टन बढ़ा दिया है। ऐसे में यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी किसान अपनी उपज बेचने से वंचित न रहे। कलेक्टर श्री यादव ने बैठक

में यह निर्देश दिए गए कि प्रत्येक उपार्जन केंद्र पर बारदाना, पर्याप्त तौल कॉटे, पल्लेदार, छाया और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था हो। पहले प्रति केंद्र 1000 मीट्रिक टन प्रतिदिन का लक्ष्य था, जिसे बढ़ाकर 2250 मीट्रिक टन कर दिया गया है। इसके अनुरूप सभी तैयारियां सुनिश्चित की जाएं ताकि किसानों को लंबा इंतजार न करना पड़े। उन्होने कहा, किसानों की उपज की सही मात्रा ही खरीदी जाए और तौल के तुरंत बाद उन्हें पक्की रसीद दी जाए, जिससे भुगतान को लेकर किसी प्रकार की चिंता न रहे। उन्होने, परिवहन व्यवस्था को लेकर ट्रांसपोर्टरों को निर्देश दिए खरीदी के बाद तत्काल उठाव किया जाए।

आस्था पर पहरा या प्रशासनिक मनमानी?

दैनिक प्रदेश वर्तमान भोपाल
संतोष मारन की कलम से

हाल के दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जिन्होंने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और धार्मिक अधिकारों को लेकर नई बहस छेड़ दी है। कहीं कंपनियों में कर्मचारियों को तिलक न लगाने की सलाह दी जा रही है, तो कहीं परीक्षा केंद्रों पर जनेऊ उतरवाने या कलावा हटाने की घटनाएं सामने आई हैं। अब एक राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के बयान ने भी इस चर्चा को और तेज कर दिया है, जिसमें उन्होंने सार्वजनिक रूप से तिलक न लगाने की बात कही।

यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या नौकरी करने वाला व्यक्ति अपनी धार्मिक पहचान को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने का अधिकार खो देता है? क्या अनुशासन के नाम पर व्यक्तिगत आस्था को सीमित किया जा सकता है?

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 प्रत्येक नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता प्रदान करता है। इसमें न केवल पूजा-पद्धति बल्कि धार्मिक प्रतीकों—जैसे तिलक, सिंदूर, जनेऊ और कलावा—को धारण करने की भी स्वतंत्रता शामिल है। हालांकि, यह अधिकार पूर्णतः निरंकुश नहीं है। संविधान स्पष्ट करता है कि सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के हित में इस पर युक्तिसंगत प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

लेकिन मौजूदा विवाद का केंद्र यही है कि क्या तिलक, सिंदूर या कलावा जैसे प्रतीकों से वास्तव में इन तीनों में से किसी को खतरा है? यदि नहीं, तो फिर इन पर रोक का आधार क्या है?

परीक्षा केंद्रों पर 'नकल रोकने' के नाम पर जनेऊ उतरवाने की घटनाएं भी सवालों के घेरे में हैं। तकनीकी रूप से उन्नत युग में क्या नकल रोकने का एकमात्र तरीका धार्मिक धागों को हटवाना ही है? आलोचकों का कहना है कि यह प्रशासनिक कमजोरी को छिपाने का आसान तरीका बनता जा रहा है।

न्यायपालिका समय-समय पर यह स्पष्ट कर चुकी है कि धार्मिक प्रतीक व्यक्ति की पहचान और गरिमा से जुड़े होते हैं। ऐसे में बिना ठोस और तार्किक कारण के इन्हें प्रतिबंधित करना व्यक्तिगत अधिकारों का उल्लंघन माना जा सकता है।

दूसरी ओर, प्रशासन और संस्थानों का तर्क है कि समानता, सुरक्षा और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए कुछ सामान्य नियम आवश्यक होते हैं। उनका कहना है कि ये नियम किसी एक धर्म विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी पर समान रूप से लागू होते हैं।

इस पूरे विवाद में सबसे अहम प्रश्न संतुलन का है—व्यक्तिगत स्वतंत्रता और संस्थागत अनुशासन के बीच संतुलन। क्या नियम बनाते समय संवैधानिक अधिकारों का पर्याप्त ध्यान रखा जा रहा है? या फिर सुविधा के नाम पर आस्था को सीमित किया जा रहा है?

निष्कर्षतः, यह बहस केवल तिलक, सिंदूर या जनेऊ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक प्रश्न को सामने लाती है कि आधुनिक प्रशासनिक ढांचे में व्यक्तिगत पहचान और स्वतंत्रता की कितनी जगह है। समाधान किसी एक पक्ष की जीत में नहीं, बल्कि संवाद और संवेदनशील नीति-निर्माण में निहित है।

एक ही रात में 3 जगह चोरी

» 2 घरों से 4 लाख कैश व जेवर पार; दुकान से तिजोरी भी ले गए चोर

मुरैना। मुरैना के रामपुर थाना क्षेत्र की गोबरा पंचायत और भावरेछा गांव में चोरों ने एक ही रात में तीन बड़ी वारदातों को अंजाम दिया है। अज्ञात बदमाशों ने दो सूने घरों और एक दुकान के ताले चटकाकर 4 लाख रुपए से ज्यादा का कैश व लाखों के जेवर पार कर दिए। इसके अलावा दो अन्य घरों में भी चोरी का प्रयास किया गया, लेकिन वहां बदमाश सफल नहीं हो सके। एक साथ हुई इन घटनाओं से पुलिस की रात्रि गश्त पर सवाल खड़े हो गए हैं और ग्रामीणों में आक्रोश व दहशत है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले दर्ज कर लिए हैं और चोरों की तलाश शुरू कर दी है। गोबरा पंचायत में चोरों ने सबसे पहले संतोष कुशवाहा के घर धावा बोला। बदमाशों ने दीवार में सेंध लगाई और अलमारी का ताला तोड़कर सोने के जेवर व 1 लाख रुपए नकद चोरी कर लिए। संतोष हाल ही में बंगलौर से लौटा था और वारदात की दरमियानी रात मेडिकल इमरजेंसी के चलते बाहर गया हुआ था, घर में उसकी मां अकेली थी। वहीं, दूसरी वारदात वीरेंद्र कुशवाह के घर हुई। वीरेंद्र सपरिवार एक शादी समारोह में गया हुआ था। सूने घर का फायदा उठाकर चोरों ने यहां से 3 लाख रुपए की नकदी और जेवर चुरा लिए। चोरों ने दो अन्य घरों में भी सेंधमारी का प्रयास किया, लेकिन वे असफल रहे। गोबरा पंचायत में वारदातों को अंजाम देने के बाद चोर आगे बढ़े और भावरेछा गांव में भी वारदात की। यहां बदमाशों ने कालू यादव की दुकान के ताले तोड़ दिए। चोर दुकान के अंदर से कुछ सामान और एक तिजोरी चुरा ले गए, जिसमें करीब 5 हजार रुपए कैश रखा हुआ था।

300 बेड अस्पताल के लिए जमीन का निरीक्षण

सफाई व्यवस्था पर भड़के एसीएस, सिविल अस्पताल की ठेका एजेंसी बदलने के निर्देश

» उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में सिविल अस्पताल की व्यवस्था में सुधार होगा

मैहर संवाददाता रामकुमार रजक

मैहर।मध्य प्रदेश शासन के अतिरिक्त मुख्य सचिव (ष्टर) लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा,श्री अशोक वर्णवाल ने रविवार को मैहर जिले का सघन भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने जहां एक ओर भविष्य की स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 300 बिस्तरीय जिला अस्पताल के प्रस्तावित स्थल का अवलोकन किया, वहीं दूसरी ओर वर्तमान सिविल अस्पताल की लचर सफाई व्यवस्था को देखकर कड़ी नाराजगी जाहिर की।

सफाई व्यवस्था पर गिजी गाज, एजेंसी बदलने का आदेश- मण के दौरान एसीएस श्री वर्णवाल सिविल अस्पताल मैहर पहुंचे। अस्पताल परिसर और वार्डों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई के स्तर को बेहद निम्न पाया। गंदगी और अव्यवस्था देख एसीएस ने मौके पर मौजूद अधिकारियों के समक्ष गहरा असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने तत्काल सफाई कार्य देख रही ठेका एजेंसी को हटाने और नई एजेंसी नियुक्त करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरीजों के स्वास्थ्य के साथ स्वच्छता के मामले में कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

300 बिस्तरीय अस्पताल की जमीन का अवलोकन- मैहर को जिला बनने के बाद स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, एसीएस ने मैहर में बनने वाले *300 बिस्तरीय विशाल अस्पताल* के लिए प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थल की उपयुक्तता, पहुंच मार्ग और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए बारीकी से अवलोकन किया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि निर्माण की प्रक्रिया में गुणवत्ता और सुलभता का विशेष ध्यान रखा जाए।

कलेक्टर और स्वास्थ्य विभाग की टीम रही मौजूद - निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक और स्वास्थ्य विभाग का अमला मुस्तैद रहा। इस अवसर पर मुख्य रूप से:श्रीमती बिदिशा मुखर्जी (कलेक्टर, मैहर)श्रीमती अवधिया (संयुक्त संचालक, स्वास्थ्य) डॉ. मनोज शुक्ला (मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी) दिव्या पटेल (एसडीएम, मैहर)डॉ. आर.एन. पांडे (सिविल सर्जन) सहित अन्य चिकित्सक व अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की उम्मीद- एसीएस के इस कड़े रुख से जिला अस्पताल प्रबंधन में हड़कंप मचा हुआ है। उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में सिविल अस्पताल की सफाई व्यवस्था में सुधार होगा और नए 300 बिस्तरीय अस्पताल के निर्माण कार्य में भी तेजी आएगी, जिससे मैहर जिले की जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी।

सतना आबकारी विभाग की मनमानी और शराब माफिया का तांडव

क्या 'तेज-तर्रार' कलेक्टर ने साध ली है चुप्पी?

सतना- जिले में इन दिनों आबकारी विभाग की कार्यशैली और शराब ठेकेदारों की मनमानी चर्चा का विषय बनी हुई है। सोशल मीडिया से लेकर समाचार पत्रों की सुर्खियों तक, हर तरफ अवैध वसूली और ओवररेटिंग की गूंज है। बावजूद इसके, अपनी सख्त कार्यशैली के लिए पहचाने जाने वाले कलेक्टर सतीश कुमार एस की खामोशी अब जनता के बीच कौतूहल और आक्रोश का विषय बनती जा रही है। जिले में शराब माफिया और ठेकेदारों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे आम जनता को खुलेआम लूटने में लगे हैं। प्रिंट और डिजिटल मीडिया में लगातार आ रही खबरों के बाद भी प्रशासन का सुस्त रवैया कई सवाल खड़े कर रहा है। क्या आबकारी विभाग अब किसी भी नियम-कायदे से ऊपर हो गया है? या फिर जिम्मेदार अधिकारी जानबूझकर इस ओर से आंखें मूंदे बैठे हैं?

जनता के मन में उठते कुछ कड़वे सवाल- क्या सतना के शराब माफिया के मन में अब प्रशासन या कलेक्टर के खौफ का अंत हो चुका है? जब विभाग के ऊपर उच्च अधिकारियों का नियंत्रण होता है, तो फिर आबकारी विभाग की बेलगाम कार्यशैली पर लगाम क्यों नहीं कसी जा रही? जिले के विभिन्न क्षेत्रों में शराब की दुकानों पर निर्धारित रेट से कहीं अधिक वसूली की जा रही है। इसे 'खुली लूट' न कहा जाए तो क्या कहा जाए?

मौन के पीछे की पहेली- कलेक्टर सतीश कुमार एस को एक निर्णय लेने वाले और सख्त अधिकारी के रूप में जाना जाता है। लेकिन शराब सिंडिकेट के मामले में उनकी 'चुप्पी' समझ से परे है। जानकारों का मानना है कि यदि जल्द ही इस पर कड़ा प्रहार नहीं किया गया, तो सरकार की छवि को भारी नुकसान पहुँच सकता है। जब रक्षक ही मौन हो जाए, तो भक्षक का साहस बढ़ना स्वाभाविक है। सतना की जनता अब मुख्यमंत्री और शासन से उम्मीद लगाए बैठी है कि क्या इस 'कुंभकरणी नींद' को तोड़ने के लिए कोई ठोस कदम उठाया जाएगा?'

सतना में शराब माफिया का बढ़ता प्रभाव और आबकारी विभाग की संदिग्ध कार्यप्रणाली इस बात का प्रमाण है कि कहीं न कहीं तंत्र में गहरी खामी है। अब देखना यह है कि क्या प्रशासन अपनी साख बचाने के लिए कोई 'सर्जिकल स्ट्राइक' करता है या यह 'मौन' इसी तरह जारी रहता है।

पंकज सुहाने बने मैहर जिला अध्यक्ष (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रकोष्ठ)

समर्थकों और पत्रकार जगत में हर्ष

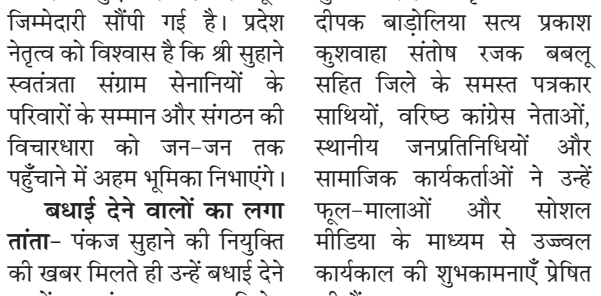

मैहर संवाददाता रामकुमार रजक

मैहर। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संगठन के विस्तार और मजबूती की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए *पंकज सुहाने* को मैहर जिले का जिला अध्यक्ष (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रकोष्ठ)नियुक्त किया है। उनकी इस नियुक्ति से जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और उनके शुभचिंतकों में उत्साह की लहर दौड़ गई है।

प्रदेश नेतृत्व ने जताया भरोसा- मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी आधिकारिक सूची के अनुसार, पंकज सुहाने की सक्रियता और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदेश नेतृत्व को विश्वास है कि श्री सुहाने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारों के सम्मान और संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

बधाई देने वालों का लगा तांता- पंकज सुहाने की नियुक्ति की खबर मिलते ही उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया। विशेष रूप से *पत्रकार साथियों* ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे मैहर जिले के लिए एक सकारात्मक कदम बताया। बधाई देने वालों में शामिल लोगों ने कहा कि पंकज सुहाने एक मिलनसार और जुझारू व्यक्तित्व के धनी हैं, उनके नेतृत्व में जिले में संगठन को निश्चित रूप से नई ऊर्जा मिलेगी।

प्रमुख रूप से इन्होंने दी बधाई: * श्रमजीवी पत्रकार संघ मैहर के जिला अध्यक्ष श्री निवास चतुर्वेदी लालू महाराज वरिष्ठ पत्रकार जवाहर संतानी रमाकांत दुबे बद्री पाठक रामकुमार रजक प्रशांत शुक्ला आदिल खान अल्ताफ खान राम प्रकाश गुप्ता सुनील दहिया कृष्णकांत पांडे दीपक बाड़ोलिया सत्य प्रकाश कुशवाहा संतोष रजक बबलू सहित जिले के समस्त पत्रकार साथियों, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल-मालाओं और सोशल मीडिया के माध्यम से उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

मैहर में पुलिस का विशेष 'हेलमेट अभियान' शुरू

नियम तोड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई, पुलिसकर्मियों को भी चेतावनी

मैहर संवाददाता रामकुमार रजक

मैहर। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मैहर पुलिस ने पूरे जिले में विशेष 'हेलमेट अभियान' का आगाज कर दिया है। पुलिस मुख्यालय भोपाल से जारी निर्देशों के बाद, मैहर पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह के कुशल मार्गदर्शन में पुलिस टीम अब सड़कों पर मुस्तैद नजर आ रही है।

जगह-जगह चेकिंग पॉइंट, हिदायत के साथ चालानी कार्रवाई अभियान के तहत शहर के मुख्य चौराहों और प्रमुख मार्गों पर पुलिस द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधिकारी न केवल बिना हेलमेट घूमने वाले चालकों को रोककर उनके चालान काट रहे हैं, बल्कि उन्हें सुरक्षा के प्रति जागरूक भी कर रहे हैं।

पुलिस का स्पष्ट संदेश है कि हेलमेट केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी और अपने परिवार की खुशियों को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी है। चेकिंग के

दौरान वाहन चालकों को समझाया जा रहा है कि सड़क दुर्घटना के समय सिर में लगने वाली चोट अक्सर जानलेवा साबित होती है, जिससे सिर्फ हेलमेट ही बचा सकता है।

नियमों में कोई रियायत नहीं: चाहे पुलिस हो या आम नागरिक- इस अभियान की सबसे खास बात यह है कि नियम सबके लिए बराबर रखे गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने सख्त निर्देश दिए हैं कि यदि कोई *पुलिसकर्मी* या *शासकीय कर्मचारी* भी बिना हेलमेट के पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध भी उतनी ही कठोरता से चालानी और विभागीय कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा सर्वोपरि है। हम चाहते हैं हर नागरिक सुरक्षित अपने घर पहुंचे। इस आदेश का पालन न करने वालों के खिलाफ सख्ती बरती जाएगी। जनता से अपील है कि इस अभियान में पुलिस का सहयोग करें।

मैहर पुलिस प्रशासन* अभियान का मुख्य उद्देश्य जन-जागरूकता लोगों को यह समझाना कि सुरक्षा उपकरण बोझ नहीं, जीवन रक्षक हैं।दुर्घटना में कमी हेलमेट के अनिवार्य उपयोग से सड़क हादसों में होने वाली मृत्यु दर को कम करना। सख्त अनुशासन नियमों का उल्लंघन करने वालों के मन में कानून का भय पैदा करना। मैहर पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनें और यातायात नियमों का पालन कर एक जिम्मेदार नागरिक का परिचय दें।

कलेक्टर को विश्व होम्योपैथी दिवस का मोमेंटो भेंट किया

सतना प्रदेश वर्तमान संवाददाता अवध गुप्ता

आयुष इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सतना के डॉक्टर जिला कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस से मुलाकात कर विश्व होम्योपैथी दिवस का मोमेंटो भेंट किया मूलाकात के दौरान जिला अध्यक्ष डॉ संतोष शर्मा एम डी होम्योपैथी, संरक्षक डॉ अंजनी त्रिपाठी एम डी आयुर्वेद, सचिव डॉ अशोक शर्मा जी, कोषाध्यक्ष डॉ नितिन वर्मा व अन्य सभी सदस्यों उपस्थित रहे।

HIV/TB समन्वय बैठक संपन्न

सतना। जनस्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने की दिशा में, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला, जिला सतना/मैहर के मार्गदर्शन में जिला एड्स नियंत्रण समिति, सतना द्वारा दिशा क्लस्टर की मासिक HIV/TB समन्वय बैठक जिला चिकित्सालय, सतना के सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला नोडल अधिकारी द्वारा की गई, जिसमें दिशा क्लस्टर, NACP एवं DTC के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति एवं कार्यान्वयन में आ रही चुनौतियों पर गंभीरतापूर्वक विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण जिम्मेदारी एवं सजगता के साथ करते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया।

बैठक में दिए गए प्रमुख निर्देश इस प्रकार रहे—HIV, सिफिलिस, हेपेटाइटिस-B एवं C की साप्ताहिक एवं मासिक जाँच लक्ष्यों की नियमित समीक्षा कर पूर्णता सुनिश्चित की जाए। लंबित वायरल लोड परीक्षणों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। SOCH पोर्टल पर लंबित प्रविष्टियों का समयबद्ध अद्यतन किया जाए। इंडेक्स एवं स्पाउस टेस्टिंग के माध्यम से संक्रमित व्यक्तियों के जीवनसाथियों की अनिवार्य जाँच सुनिश्चित की जाए। ICTC में आने वाले मरीजों तथा TI परियोजना अंतर्गत उच्च जोखिम समूह के सभी व्यक्तियों की 4S स्क्रीनिंग कर संदिग्ध मामलों को DTC में संदर्भित किया जाए। TI इकाइयों को IDU क्लाइंट्स का OST कार्यक्रम में समयबद्ध समावेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला एड्स नोडल अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता, डॉ. सी.एम. तिवारी, दिशा टीम से श्री ज्ञानेंद्र गुप्ता एवं श्री संजय श्रीवास्तव, नीरज सिंह तिवारी, अर्पणा त्रिपाठी, ममता सिंह, दिनेश साहू, कशिश सेन, प्रियंका त्रिपाठी, शान्ति कुशवाहा, प्रशंसा सिंह, स्वाति तिवारी तथा जिला सलाहकार श्री अभिषेक सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक चेतना का शंखनाद: गायत्री शक्तिपीठ मैहर में 'भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा' का पुरस्कार वितरण संपन्न

मैहर संवाददाता रामकुमार रजक

मैहर। नई पीढ़ी में भारतीय संस्कारों, नैतिक मूल्यों और गौरवशाली इतिहास के प्रति जागरूकता जगाने के उद्देश्य से आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा' का भव्य पुरस्कार वितरण समारोह शनिवार, 25 अप्रैल को गायत्री शक्तिपीठ मैहर में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस गरिमामय आयोजन ने विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से जुड़ने और श्रेष्ठ नागरिक बनने का प्रेरणादायी संदेश दिया। समारोह का आगाज वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी के सिद्धांतों के अनुरूप वैदिक मंत्रोच्चार, दीप प्रज्वलन और पूजन-अर्चन के साथ हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित गायत्री परिजनों, शिक्षकों और अभिभावकों ने भारतीय परंपराओं की दिव्यता का अनुभव किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन बृजेश सोनी द्वारा किया गया।15 विद्यालयों के 5482 विद्यार्थी हुए शामिल उल्लेखनीय है कि यह परीक्षा 21 नवंबर 2025 को मैहर जिले के विभिन्न विद्यालयों में आयोजित की गई थी, जिसमें 5482 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया था। शनिवार को आयोजित समारोह में जिले के 15 प्रमुख विद्यालयों से आए प्रतिभाशाली विजेताओं को मंच पर सम्मानित किया गया।

विजेताओं को मिला सम्मान:सफल प्रतिभागियों को मां गायत्री के आशीर्वाद स्वरूप: प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह गायत्री मंत्र अंकित अंग वस्त्र नकद पुरस्कार राशि प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

आधुनिक युग में संस्कारों की आवश्यकता: अतिथि विचार- कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं वक्ताओं ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में कहा कि पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रभाव के बीच युवाओं को अपने गौरवशाली इतिहास और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ना अनिवार्य है। वरिष्ठ पत्रकार *रवींद्र सिंह 'मंजू सर'* ने अपने विचारों में रेखांकित किया कि— * 'भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा जैसे आयोजन बच्चों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उन्हें जीवन जीने की कला और नैतिक मूल्यों से ओत-प्रोत करते हैं।' * उन्होंने विद्यार्थियों से इन संस्कारों को अपने दैनिक जीवन में उतारने का आह्वान किया।

इनकी रही गरिमामय उपस्थिति- समारोह में मुख्य रूप से गायत्री परिजन एडवोकेट अतुल द्विवेदी, प्राचार्य दिनेश पुरी गोस्वामी, प्राचार्य संजय गुप्ता, अर्जुन पटेल, अखिलेश पटेल, प्रकाश बाबू नामदेव, कोदूलाल वर्मा, संजय अवधिया, उमाकांत श्रीवास्तव, दुर्गा सिंह, परिव्राजक शैलेश पाठक, अनुरोध खरे, बृजेश बढ़ोलिया, वरिष्ठ पत्रकार रवींद्र सिंह मंजू सर, मुकेश श्रीवास्तव, लवकुश तिवारी सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मंच पर आसीन अतिथियों को भी गायत्री मंत्र का अंग वस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण के साथ-साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी आकर्षण का केंद्र रहीं। अंत में आयोजक मंडल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए संकल्प लिया कि भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण हेतु सांस्कृतिक चेतना का अभियान निरंतर जारी रहेगा। यह समारोह न केवल पुरस्कार वितरण का माध्यम बना, बल्कि मैहर में एक सांस्कृतिक उत्सव के रूप में यादगार बन गया।

सतना में विकास या अव्यवस्था? पहले खुदाई, अब बरसात का बहाना!

सतना शहर में विकास कार्यों की योजना पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बाजार और मुख्य सड़कों को जनवरी में ही खोद दिया गया, लेकिन अब जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि कार्य को बरसात के बाद पूरा कराने की बात कह रहे हैं। ऐसे में यह सवाल लाज़िमी है कि क्या शहर के इंजीनियरों और महापौर को पहले से यह जानकारी नहीं थी कि कार्य समय पर पूरा नहीं हो पाएगा?

कई महीनों से शहरवासी धूल, गड्ढों और जाम की समस्या झेल रहे हैं। यदि निर्माण कार्य बरसात के बाद ही करना था, तो सर्दियों में पूरे शहर को खोदकर जनता को परेशानी में क्यों डाला गया? वर्तमान स्थिति यह है कि लोग धूल फांकते हुए इंतज़ार करें—पहले बारिश हो, फिर सड़कें सूखें, और उसके बाद निर्माण कार्य आगे बढ़े।

संपादकीय

संत की सीख

एक धनी सेठ ने एक संत के पास आकर उनसे प्रार्थना की, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना करता हूं पर मेरा मन एकाग्र ही नहीं हो पाता है। आप मुझे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने इसे अपना सौभाग्य समझा कि इतने बड़े संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए स्वादिष्ट पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के बर्तन में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। वह दुविधा में पड़ गया। उसने संकोच के साथ कहा, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो यह सब भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, वह भी इस कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। जिस तरह कमंडल में कूड़ा करकट भरा है उसी तरह तुम्हारे दिमाग में भी बहुत सी ऐसी चीजें भरी हैं जो आत्मज्ञान के मार्ग में बाधक हैं। सबसे पहले पात्रता विकसित करो तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे रहेंगे तो एकाग्रता कहां से आएगी। एकाग्रता भी तभी आती है जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह बेमतलब की बातों को मन-मस्तिष्क से निकाल बाहर करेगा।

आज का राशिफल

मेष राशि :- तनाव, उदर रोग, मित्र लाभ, राजभय, दाम्पत्य जीवन संतोषपूर्ण रहेगा।

वृष राशि :- शत्रुभय, सुख-मंगल, कार्य विशेष मामले-मुकदमे में प्राय: जीत अवश्य ही होगी।

मिथुन राशि :- कुसंग हानि, रोगभय, यात्रा, उद्योग-व्यापार की स्थिति लाभ-हानि की रहेगी।

कर्क राशि :- पराक्रम, कार्यसिद्धी, व्यापार लाभ, खेती व गृहकार्य में व्यवस्था अवश्य ही बनेगी।

सिंह राशि :- आशानुकूल सफलता का हर्ष, स्थिति में सुधार अवश्य ही होगा, रुके कार्य बनेंगे।

कन्या राशि :- धन का व्यर्थ व्यय, कार्यों में हस्तक्षेप करने से दूसरों से तनाव अवश्य बनेगा।

तुला राशि :- कार्यगति अनुकूल, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, मित्रों से सहयोग अवश्य मिलेगा।

वृश्चिक राशि :- सामाजिक कार्य में प्रतिष्ठा-प्रभुत्व वृद्धि एवं कार्य कुशलता से संतोष होगा।

धनु राशि :- योजना फलीभूत, कार्य कुशलता से हर्ष होगा, मित्रों से सहयोग अवश्य ही मिलेगा।

मकर राशि :- अधिकारियों के संपर्क से बचें, तनाव-क्लेश व अशांति, बेचैनी अवश्य ही बनेगी।

कुंभ राशि :- उद्विघ्नता, असमंजस का वातावरण मन को क्लेशयुक्त रखेगा, ध्यान दें।

मीन राशि :- बिगड़े हुये कार्य बनें, कार्य योजनायें फलीभूत होंगी, सफलता के साधन अवश्य ही बनेंगे।

भारतीय राजनीति के बदलते समीकरण

आम आदमी पार्टी (आप) के सांसदों के इस्तीफे और उनके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने से 'लोटस अभियान' को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। विशेष रूप से पंजाब, जहां आप की सरकार है, पंजाब की राजनीति के लिये यह बहुत बड़ा परिवर्तन है। पंजाब में भाजपा लंबे समय से अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है। शिरोमणि अकाली दल के साथ मिलकर भाजपा 5 दशक से अपना झंडा गाड़ना चाहती थी, लेकिन वह आज तक सफल नहीं हो पाई। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल, इंडियन नेशनल कांग्रेस और आप आदमी पार्टी की पैठ हैं। कांग्रेस में पिछले दशक में काफी तोड़-फोड़ हुई है। अब आप नेताओं में दल-बदल शुरू हुआ है। पंजाब में आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों का इस्तीफा इस बात का संकेत है। आने वाले समय में पंजाब की राजनीति में बड़े राजनीतिक बदलाव होने जा रहे हैं। पंजाब सरकार इस संकट में गिर भी सकती है। अरविन्द केजरीवाल की नजर पंजाब के बाद गुजरात पर बनी हुई है। अगले वर्ष पंजाब और गुजरात में चुनाव होना है। गुजरात में केजरीवाल सीधे प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती दे रहे हैं। भाजपा इसे चुनौती मानकर आम आदमी पार्टी को पंजाब में उलझाकर गुजरात में केजरीवाल और आप को रोकना चाहती है। वहीं पंजाब में भाजपा कब्जा करना चाहती है। ताकि वह अन्य राज्यों में आम आदमी पार्टी और इंडिया गठबंधन के विस्तार को रोक सके। भाजपा ने यह राजनीतिक सक्रियता ऐसे समय में बढ़ाई है, जब बंगाल और तमिलनाडु सहित कई राज्यों में चुनावी प्रक्रिया जारी है। उनके परिणाम जल्द आने वाले हैं। भाजपा ने नारी वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण के नाम पर महिलाओं को लुभाने की राजनीति शुरू कर दी है। प. बंगाल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इसे मुख्य चुनावी मुद्दा बनाकर प्रचारित किया है। पंजाब भी उसी क्रम में शामिल है। भाजपा महिलाओं को आगे करके आक्रामक राजनीति शुरू कर दी है। ऐसे समय पर लोटस अभियान को संचालित करना अगली चुनावी रणनीति का हिस्सा है। विश्लेषकों का मानना है, सांसदों के इस्तीफे और महिला आरक्षण जैसे मुद्दों को जोड़कर भाजपा 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव एवं 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में भाजपा जुट गई है। विपक्षी दलों और इंडिया अलायंस में शामिल विपक्षी दलों के बढ़ते आक्रामक रुख के बीच भाजपा अपने प्रभुत्व को बनाए रखने, विपक्षी दलों में फूट डालने के लिए हर संभव रणनीति को अपना रही है।

साल 2027 में सात राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं। 2029 के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी अभी से संगठनात्मक और राजनीतिक स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने लोटस अभियान एवं जांच एजेंसियों के माध्यम से खुद को उन राज्यों में मजबूत करना चाहती है, जहां उसका प्रभाव ना के बराबर है। एक बड़ा प्रश्न है कि क्या इस तरह की रणनीतियां लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थाओं की निष्पक्षता और राजनीति में विपरीत असर नहीं डालती हैं? विपक्ष आरोप लगाता रहा है, संवैधानिक संस्थाएं सरकार के प्रभाव में काम कर रही हैं। भाजपा इन आरोपों को खारिज करती है। लोटस अभियान के कारण भाजपा की साख में निरंतर गिरावट देखने को मिल रही है। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में भारत की राजनीति में लोटस अभियान अब लगातार चलने वाली प्रक्रिया बन चुकी है। पिछले 12 वर्षों में जितने भी दल बदल हुए हैं, उसमें दल-बदल करने वाले सभी राजनैतिक दलों के नेता भाजपा में गए हैं। लोटस अभियान की तहत से कई सरकारें गिराई गई हैं। पिछले 15 वर्षों में जिस बड़े पैमाने पर दल-बदल का लाभ भाजपा को मिला है, इसके पहले यह स्थिति भारतीय राजनीति में कभी देखने को नहीं मिली थी।

अमेरिका में बढ़ती हिंसा और सुरक्षा की चुनौती

- कांतिलाल मांडोत

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में आयोजित प्रतिष्ठित व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई ताजा फायरिंग की घटना ने एक बार फिर दुनिया का ध्यान अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था और वहां के गन कल्चर की ओर खींच लिया है। इस घटना में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बाल-बाल बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोलियों की आवाज सुनते ही पूरा हॉल दहशत में आ गया और मेहमान मेजों के नीचे छिपने को मजबूर हो गए। हालांकि सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और हमलावर को पकड़ लिया गया, लेकिन यह घटना कई गंभीर सवाल छोड़ गई है। इस हमले के बाद एक बार फिर यह चर्चा तेज हो गई है कि अमेरिका में राजनीतिक नेताओं की सुरक्षा कितनी मजबूत है और आखिर क्यों बार-बार ऐसे हमले हो रहे हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के साथ यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी वे कई बार हमलों या हमले जैसे खतरों का सामना कर चुके हैं।

सबसे चर्चित घटना 13 जुलाई 2024 की है, जब पेंसिल्वेनिया के बटलर शहर में एक चुनावी रैली के दौरान उन पर जानलेवा हमला हुआ था। उस समय एक हमलावर ने लंबी दूरी से असॉल्ट राइफल से फायरिंग की थी। एक गोली उनके कान के ऊपरी हिस्से को छूते हुए निकल गई थी। यह हमला बेहद खतरनाक था और अगर गोली कुछ सेंटीमीटर इधर-उधर होती, तो परिणाम भयावह हो सकते थे। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत भी हुई थी और कई लोग घायल हुए थे। इस हमले ने अमेरिकी चुनावी माहौल को पूरी तरह बदल दिया था और सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थे।

इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रम्प को उनके राजनीतिक करियर के दौरान कई बार धमकियां भी मिली हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद और फिर दोबारा चुनावी राजनीति में सक्रिय होने के कारण वे लगातार निशाने पर रहे हैं। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस समय-समय पर ऐसे कई संभावित हमलों को नाकाम करने का दावा करती रही है, जिनकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती। हालांकि ये घटनाएं यह संकेत देती हैं कि खतरा लगातार बना हुआ है।

ताजा घटना में हमलावर की पहचान कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है, जो कैलिफोर्निया का रहने वाला बताया जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि वह एक शिक्षित व्यक्ति था, जिसने इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस में उच्च शिक्षा प्राप्त की थी। यह तथ्य इस बात को और चिंताजनक बना देता है कि हिंसा की प्रवृत्ति अब केवल असामाजिक तत्वों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि समाज के शिक्षित वर्ग तक भी पहुंच रही है। इस घटना के दौरान मलानिया ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वंश भी मौजूद थे। सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी वीआईपी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया था, जो यह दर्शाता है कि ऐसी घटनाएं कितनी तेजी से नियंत्रण से बाहर हो सकती हैं।

अमेरिका में गन कल्चर लंबे समय से बहस का विषय रहा है। वहां हथियार रखना संवैधानिक अधिकार माना जाता है, लेकिन इसी अधिकार का दुरुपयोग लगातार बढ़ती हिंसा का कारण बन रहा है। स्कूलों में गोलीबारी, सार्वजनिक स्थानों पर हमले और राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाना अब आम घटनाएं बनती जा रही हैं। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य का भी गंभीर संकट बन चुकी है।

बराक ओबामा के कार्यकाल में भी गन कंट्रोल को लेकर कई प्रयास किए गए थे, लेकिन मजबूत लॉबी और राजनीतिक मतभेदों के कारण कोई ठोस कानून लागू नहीं हो सका। डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में भी इस मुद्दे पर सख्त कदम नहीं उठाए गए, जिससे स्थिति और जटिल हो गई। हाल की घटना के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। यह बयान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस घटना की गंभीरता को दर्शाता है। अगर हम व्यापक दृष्टिकोण से देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि डॉनल्ड ट्रम्प पर हुए हमले केवल व्यक्तिगत नहीं हैं, बल्कि यह अमेरिकी लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं पर भी हमला हैं। जब किसी देश का सर्वोच्च नेता ही सुरक्षित नहीं है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है। इस तरह की घटनाएं यह भी दर्शाती हैं कि सुरक्षा एजेंसियों को लगातार अपने तरीकों और तकनीकों को अपडेट करना होगा। केवल परंपरागत सुरक्षा उपाय अब पर्याप्त नहीं हैं। आधुनिक तकनीक, इंटेलिजेंस नेटवर्क और मनोवैज्ञानिक विश्लेषण को भी सुरक्षा रणनीति का हिस्सा बनाना होगा। साथ ही, समाज में बढ़ती कट्टरता और मानसिक असंतुलन के मामलों को भी गंभीरता से लेना होगा। जब तक इन मूल कारणों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक केवल सुरक्षा बढ़ाने से समस्या का समाधान संभव नहीं है। डोनाल्ड ट्रम्प पर हुए हमलों का सिलसिला यह संकेत देता है कि अमेरिका एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां उसे अपने गन कानूनों, सामाजिक नीतियों और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। यह केवल एक देश का मुद्दा नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक चेतावनी है कि अगर समय रहते ऐसे खतरों को नहीं रोका गया, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर हो सकती है।

एक देश, 2 मतदाता सूची, 2 किस्म के नागरिक

- सनत जैन

देश में इस समय एसआईआर केंद्रीय चुनाव आयोग, राज्य चुनाव आयोग केंद्र सरकार और राज्य सरकारोंके चुनाव अधिकारों को लेकर देशभर में चर्चा का विषय बनकर सामने आ रहे हैं। लोकसभा और विधानसभा के चुनाव कराने की जिम्मेदारी केंद्रीय चुनाव आयोग की होती है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 22 से अधिक राज्यों में एसआईआर के माध्यम से मतदाता सूची के शुद्धिकरण का अभियान चला रखा है। अभी तक जिन राज्यों में एसआईआर हुई है, उन राज्यों में लगभग 5.50 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग ने उन्हें मतदान योग्य नागरिक नहीं माना है। जिस तरह से अभी तक एसआईआर के माध्यम से मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं, उसके अनुसार एसआईआर का काम पूर्ण होने पर लगभग 10 करोड़ मतदाताओं के नाम कटना तय माना जा रहा है। इसी बीच राज्य चुनाव आयोग द्वारा भी नगरीय निकायों और पंचायत चुनावों के लिए अलग से मतदाता सूची तैयार की जाती है राज्य स्तर की मतदाता सूची और केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा तैयार की गई मतदाता सूची में बड़े राज्यों में करोड़ों मतदाताओं का अंतर है। इस बात को सबसे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उजागर करते हुए कहा था, राज्य की मतदाता सूची में जो नाम दर्ज हैं, उनके नाम केंद्रीय मतदाता सूची में क्यों नहीं हैं। यही सवाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी लगातार उठाती आ रही हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश में नगरीय निकाय एवं पंचायत के चुनाव की तैयारी शुरु हो गई है। म.प्र. के राज्य चुनाव आयुक्त ने कहा है, 2027 में होने वाले चुनाव पुराने परिसीमन के आधार पर ही चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। हाल ही में केंद्रीय चुनाव आयोग के आदेश पर जो परिसीमन हुआ था। वह मतदाता सूची राज्य चुनाव आयोग मान्य नहीं कर रहा है। जिस तरह की स्थिति देश में चुनावों को लेकर बन रही है, उसमें केंद्रीय चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयोग की मतदाता सूची को लेकर विवाद की स्थिति बन रही है। राज्य सरकारों और राज्य चुनाव आयोग राज्य की तैयार मतदाता सूची से ही चुनाव कराना चाहती हैं। यदि ऐसा नहीं हुआ तो संपूर्ण राज्य में जगह-जगह मतदाता विरोध में खड़े हो जाएंगे। राज्यों में स्थानीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों का चुनाव होता है। ऐसी स्थिति में राज्यों की राजनैतिक एवं कानून व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है। जिस तरह के हालत अभी देखने को मिल रहे हैं। उसके बाद यह कहने में संकोच नहीं है, भारत एक देश है। इसके बाद भी केंद्रीय चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयोग की मतदाता सूची अलग-अलग है। केंद्रीय चुनाव आयोग के नियम कानून और निर्देश पर राज्यों के चुनाव आयोग काम करते हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग जिन्हें मतदाता नहीं मान रहा है। राज्य का चुनाव आयोग उन्हें मतदाता मानता है। नागरिकता तय करने का अधिकार केंद्रीय गृह मंत्रालय को है। केंद्रीय गृह मंत्रालय चुप है। अब नागरिकता और मतदाता के मतदान का अधिकार तय करने का काम केंद्रीय चुनाव आयोग कर रहा है। इसको लेकर जिस तरह की अपरा तफरी सारे देश में मची हुई है, उसमें अब न्यायपालिका भी चर्चाओं में आ गई है। 10 महीने से ज्यादा हो गए बिहार विधानसभा चुनाव के पहले एसआईआर की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। न्यायपालिका अभी तक केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा जो एसआईआर कराई जा रही है। वह संवैधानिक है या नहीं इसका फैसला अभी तक सुप्रीम कोर्ट नहीं कर पाया है। सारी याचिकाएं लंबित पड़ी हुई हैं। इसी बीच राज्यों के चुनाव भी हो रहे हैं, एसआईआई भी हो रही है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह स्थिति पहली बार संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था के लागू होने पर देखने को मिल रही है। देश में पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही जजों को एसआईआर के काम में लगा दिया है। जिससे न्यायपालिका खुद पार्टी बनती हुई नजर आ रही है। यह स्थिति राजनीतिक प्रशासनिक और कानून व्यवस्था के लिए आगे चलकर बड़ी चुनौती बन सकती है। जिस तरह से मतदाताओं के अधिकारी पर केंची चलाई जा रही है, संवैधानिक एवं प्रशासनिक जिम्मेदारी जिनके उपर है वह नागरिकों के जब मौलिक अधिकार खत्म किये जा रहे हों, उस समय वह चुप बैठकर तमाश देखें, इसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। न्यायपालिका जिस तरह सरकार के दबाव में तारीख पर तारीख, आधे-अधूरे निर्णय देकर अपना पल्ला झाड़ती हुई नजर आती है, इससे आम जनमानस के बीच न्यायपालिका की साख कमजोर होती जा रही है। कानून का राज तभी तक रहता है जब तक जनता कानून मानती है।

भारतीय ज्ञान-संपदा और वैश्विक नवाचार के बीच संवाद

- ललित गर्ग

प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व बौद्धिक संपदा दिवस केवल किसी कानूनी अधिकार की औपचारिक स्मृति नहीं है, बल्कि यह मानव मस्तिष्क की उस सृजनशील शक्ति का उत्सव है जिसने सभ्यता को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर किया। इस वर्ष का विषय खेल और बौद्धिक संपदा को जोड़ते हुए यह संदेश देता है कि सृजन, परिश्रम और संरक्षण-ये तीनों मिलकर विकास की नई दिशा निर्मित करते हैं। आज जब संसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यम और अंतरिक्ष अनुसंधान के युग में प्रवेश कर चुका है, तब बौद्धिक संपदा का महत्व और अधिक बढ़ गया है। किसी राष्ट्र की शक्ति अब केवल उसकी भौतिक संपदा से नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक क्षमता, अनुसंधान परंपरा और ज्ञान के संरक्षण से भी मापी जाने लगी है। बौद्धिक संपदा का अर्थ है मनुष्य के मस्तिष्क से उत्पन्न वह मौलिक रचना जो समाज को नया विचार, नया उपकरण, नई कला, नई तकनीक या नई दिशा प्रदान करे। साहित्य, संगीत, वैज्ञानिक खोज, औषधि, तकनीकी आविष्कार, औद्योगिक रचना और विशिष्ट परंपरागत ज्ञान-ये सब बौद्धिक संपदा के अंतर्गत आते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी सर्जक की रचना का अनुचित उपयोग न हो और उसके श्रम को उचित सम्मान तथा संरक्षण मिले। यह संरक्षण केवल व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र के आत्मविश्वास और आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है। यदि विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर, इंटरनेट, जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है। किन्तु भारत की बौद्धिक परंपरा इससे कहीं अधिक प्राचीन और गहरी रही है। भारत ने संसार को केवल वस्तुएँ नहीं दीं, बल्कि जीवन-दृष्टि दी है। जब अनेक सभ्यताएँ अस्तित्व की खोज में थीं, तब भारत वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, गणित, ज्योतिष, दर्शन और व्याकरण के माध्यम से ज्ञान के उच्च शिखर पर खड़ा था। शून्य का सिद्धांत, दशमलव पद्धति, धातु विज्ञान, शल्य चिकित्सा, योग-साधना और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन की अवधारणा भारतीय मनीषा की देन हैं। आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत, पाणिनि और पतंजलि जैसे महापुरुषों ने ऐसे ज्ञान-स्रोत दिए जिनसे विश्व आज भी प्रेरणा लेता है। यह भारतीय बौद्धिक संपदा का वह स्वरूप है जो किसी दस्तावेज में पंजीकृत नहीं था, फिर भी मानवता की चेतना में अंकित रहा। विश्व की आधुनिक बौद्धिक संपदा मुख्यत: व्यक्तिगत स्वामित्व पर आधारित है, जबकि भारतीय ज्ञान परंपरा सामूहिक कल्याण पर आधारित रही है। भारत में ज्ञान को व्यापार नहीं, साधना माना गया। यहां ऋषियों ने अपने अनुभवों को मानवता के लिए मुक्त रखा। 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' की भावना में ज्ञान का उद्देश्य निजी लाभ नहीं, लोकमंगल था। यही कारण है कि भारतीय बौद्धिक संपदा का स्वरूप नैतिकता और आध्यात्मिकता से जुड़ा रहा। पश्चिम ने ज्ञान को संरक्षित कर समृद्धि अर्जित की, जबकि भारत ने ज्ञान को साझा कर संस्कृति अर्जित की।

भारत को लेकर डोनाल्ड ट्रम्प का बयान निंदनीय है

- संजय गोस्वामी

अमेरिका के डोनाल्ड ट्रम्प का बयान नर्क है भारत बेहद निंदनीय है हाँ उनके लिहाज से हो सकता है क्योंकि भारत में पश्चिमी सभ्यता का नष्ट हुआ और भारत में भगवान राम ने त्याग और मर्यादा का जो पालन किया वो सभी के लिए प्रेरणादायक है नर्क है तो आखिर स्वर्ग क्या है हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, अप्सराएं इंद्रलोक (स्वर्ग) की दिव्य नृत्यांगना, गायिका और सेविका हैं, जो बेमिसाल सुंदरता और जादूई शक्तियों से संपन्न मानी जाती हैं। ये गंधर्वों के साथ मिलकर देवताओं का मनोरंजन करती हैं और ऋषियों की तपस्या भंग करने के लिए जानी जाती हैं। प्रमुख अप्सराओं में रंभा, उर्वशी, मेनका और तिलोत्तमा शामिल है अत: यहाँ अप्सराएं राजा को खुश करने के लिए नहीं नाचती है स्वर्ग में मजा है लेकिन मजा ही एक दिन सज़ा का कारण बनती है यहाँ के लोग मेहनत करते है खून पसीना बहा कर दो पैसा कमाते है लेकिन गुंडागर्दी नहीं करते हैं त्याग का रास्ता जो हमारे भगवान राम ने दिखाया है वो पूर्ण विश्व के लिए एक शांति का संदेश है अगर हर मनुष्य भगवान राम का मात्र 10 मिनट भी ध्यान कर ले तो क्रोध कभी नहीं आएगा लोग काम की चिंता में डूबे रहते हैँ लेकिन क्या होगा यदि हम नहीं कर पाएं, काम में गलती होती है लेकिन राम का नाम हमें यही बताता है यहाँ हम सब एक मुसाफिर हैँ इसलिए ना किसी बात की चिंता करो ना ही हिम्मत हारो और क्रोध को नियंत्रण करना सिर्फ भगवान राम से ही सीखा जा सकता है क्योंकि जब समुद्र लंका जाने में रास्ता नहीं दे रहा था तो लकक्ष्मणजी उनके भाई समुद्र में बाण चला देते लेकिन बाद में भगवान राम ने रोका और समुद्र ने अपनी बात बताई क्योंकि भगवान राम कहते हैं हमें हमेशा दूसरे के बारे में भी सोचना चाहिए यदि गलत हुआ हो तो अवश्य ही अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाए पहले से ट्रम्प का भारत के प्रति रवैया बहुत ही शर्मनाक रहा और हाल ही में आतंकवादी के गढ़ का देश पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शान्ति वार्ता का शुभारम्भ कराकर ऐ दिखाने की कोशिश की गईं कि भारत देश की विदेश नीति सही नहीं है लेकिन पाकिस्तान में शान्ति वार्ता को झटका भी लगा और ईरान ने आपकी शर्त मानने से इंकार कर दिया आप ईरान में इजराइल के साथ मिलकर जंग में इसलिए कूदे की तेल के बड़े भंडार पर कब्ज़ा कर ले लेकिन इजराइल का ऑब्जेक्टिव कुछ और है और वो ना तो शान्ति वार्ता में पाकिस्तान गया ना ही सीजफ़ायर की पेशकश की आप रातोंरात 63 साल के मादुरो और उनकी पत्नी को शनिवार को वेनेज़ुएला में उनके परिसर से अमेरिकी सैनिकों ने पकड़ा था। यह अचानक रातों-रात चलाया गया एक अभियान था, जिसमें कुछ सैन्य ठिकानों पर हमले भी हुए। गिरफ़्तारी के बाद दोनों को न्यूयॉर्क की एक जेल में ले जाया गया तो आप खुद अपने अंदर झाँक कर देखें कबीर साहब ने सही कहा है :बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।।अथ:कबीर दास जी कहते हैं कि जब मैं इस संसार में दूसरों की बुराई या कमियां खोजने निकला, तो मुझे कोई भी बुरा नहीं मिला। लेकिन जब मैंने अपने मन (दिल) के भीतर झांककर देखा, तो मुझे एहसास हुआ कि मैं स्वयं ही सबसे अधिक बुरा (दोषी) हैं संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (स्द्गद्यद्ध-ह्द्गद्धद्यद्गष्ह्लद्बश्ठ) और विनम्रता का संदेश देता है, जो बताता है कि दूसरों में बुराई खोजने से पहले हमें अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत 140 करोड़ लोगों का एक शांतिप्रिय देश है और लोकतान्त्रिक देश है भारत ने आपसे पूछ कर 1998 में परमाणु परीक्षण आपके ही सेटेलाइट को चकमा दे कर किया और कारगिल विजय पर अटलजी ने पाकिस्तान को क्या खुब कहा था:अमेरिका से एक नहीं दो नहीं करो बीसों समझौते पर स्वतन्त्र भारत का मस्तक नहीं झुकेगा अगणित बलिदानो से अर्जित यह स्वतन्त्रता अश्रु स्वेद शोणित से सिंचित यह स्वतन्त्रता त्याग तेज तपबल से रक्षित यह स्वतन्त्रता दु:खी मनुजता के हित अर्पित यह स्वतन्त्रता। भारत एक स्वतंत्र देश है नर्क है या स्वर्ग इसका फैसला ईश्वर कर सकता है जो सभी को चला रहा है आपसे अपना देश तो संभल नहीं रहा है आक्रोश है लोगों में क्योंकि युद्ध की आग में झोंक कर पूर्ण विश्व में तेल और गैस पर संकट आ गया, क्या आप सोचते हैं कि भारत आपसे दूध का निर्यात करें जिसे चारा में मांस खिलाया जाता है और दूध पीकर मन के अंदर विष भर ले, स्वर्ग की लालसा के लिए नर्क से होकर ही गुजरना पड़ता है अंग्रेजी हुकूमत ने भारतीय को नर्क में रखा लेकिन उनके त्याग और बलिदान से देश आजाद हुआ और स्वर्ग है हमारी मातृभूमि जिसे अनेक ऋषि और मुनि प्राचीन भारतीय संत या द्रष्टा थे, जिन्होंने गहन ध्यान (तप) और आध्यात्मिक साधना के माध्यम से दिव्य ज्ञान और शाश्वत सत्यों को प्राप्त किया।

अबकी बार महिला अधिकार....

पोस्टकार्ड के जरिए पहुंची प्रधानमंत्री तक मांग....

543 सीटों पर आरक्षण महिला कांग्रेस का बड़ा अभियान शुरू....

देशभर में तेज हुआ आंदोलन

प्रदेश महासचिव एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता सौम्या रांधेलिया के नेतृत्व में पोस्टकार्ड के जरिए प्रधानमंत्री तक पहुंची आवाज

कटनी।। महिलाओं के अधिकार और सम्मान को लेकर महिला कांग्रेस ने एक बार फिर मुखर रुख अपनाया है। पोस्ट कार्ड-प्रधानमंत्री के नाम अभियान के तहत देशभर की महिलाएं अपनी मांग सीधे प्रधानमंत्री तक पहुंचाने के लिए पोस्टकार्ड भेज रही हैं। इस अभियान का उद्देश्य महिला आरक्षण को शीघ्र लागू कराना और महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी में उचित प्रतिनिधित्व दिलाना है।

इसी क्रम में महिला कांग्रेस की सक्रिय नेत्री, प्रदेश महासचिव एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता सौम्या रांधेलिया के नेतृत्व में अभियान को गति दी गई। उन्होंने मुख्य डाकघर पहुंचकर प्रधानमंत्री के नाम पोस्टकार्ड भेजा और महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग उठाई।

महिला कांग्रेस की ओर से भेजे गए पोस्टकार्ड में प्रमुख रूप से दो मांगें रखी गई हैं,पहली, अन्य पिछड़ा वर्ग (ह्वष्ट) की महिलाओं को भी आरक्षण के दायरे में शामिल किया जाए, और दूसरी, लोकसभा की सभी 543 सीटों पर महिला आरक्षण तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।

नेत्री सौम्या रांधेलिया ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 को केवल कागजों तक सीमित न रखकर जमीनी स्तर पर लागू करना समय की मांग है। उनका कहना है कि जब तक महिलाओं को पर्याप्त राजनीतिक भागीदारी नहीं मिलेगी, तब तक सशक्त समाज की कल्पना अधूरी रहेगी।

राजनीतिक संदेश और रणनीति- यह अभियान केवल मांग तक सीमित नहीं, बल्कि एक व्यापक राजनीतिक संदेश भी देता है। महिला कांग्रेस इस पहल के जरिए महिलाओं के मुद्दों को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में लाना चाहती है। पोस्टकार्ड जैसे पारंपरिक माध्यम का चयन आम महिलाओं की भागीदारी को सरल और व्यापक बनाने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। महिला आरक्षण को लेकर बढ़ती यह सक्रियता आने वाले समय में राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित कर सकती है।

गोहपारू में स्वच्छ भारत अभियान की खुली पोल

यहां सामुदायिक शौचालय बने सिर्फ शोपीस

अखिलेश द्विवेदी /शहडोल
जिले के गोहपारू में

स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत लाखों रुपए की लागत से बनवाए गए सार्वजनिक सुलभ शौचालय अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहे हैं. देखरेख न होने के कारण जनपद के कई सुलभ शौचालय पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं. इनमें पानी की भी कोई व्यवस्था नहीं है. जहां एक ओर प्रदेश सरकार की ओर से स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्राम पंचायतों में लाखों रुपए की लागत से शौचालयों का निर्माण कराया गया था, वहीं उनकी देखरेख पर भी खर्च किया जा रहा है.

कई गांवों में शौचालय उपयोग लायक नहीं- ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों का निर्माण तेजी से किया गया था. इसका उद्देश्य था कि हर नागरिक को शौच की मूलभूत सुविधा मिले और खुले में शौच की प्रथा समाप्त हो. लेकिन आज भी कई गांवों में शौचालय उपयोग लायक स्थिति में नहीं हैं.

लाखों रुपए की लागत से बने सामुदायिक सुलभ शौचालय अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहे हैं. शौचालयों में गंदगी फैली हुई है और सफाई न होने के कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं.

हकीकत सामने आ गई- जहां एक ओर प्रदेश सरकार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, तो वहीं इन दावों की पड़ताल करने के लिए जब हमारी टीम ग्राउंड पर पहुंची, तो हकीकत सामने आ गई.गोहपारू ब्लॉक क्षेत्र में बने शौचालय में पानी की कोई व्यवस्था नहीं है. सामुदायिक शौचालय की छत पर पानी की टंकी शोपीस बनकर रखी हुई है.

जिम्मेदार इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं-हमारी टीम से बातचीत करते हुए जीतेन्द्र शुक्ला ने बताया कि कई साल पहले सुलभ शौचालय बनवाया गया था, लेकिन उसमें पानी की व्यवस्था नहीं है. साथ ही साफ-सफाई भी नहीं हो रही है, जिससे लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है. जिम्मेदार इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं. शौचालय के पास झाड़ियां उगी हुई हैं, जिससे कीड़े-मकोड़ों का खतरा भी बना रहता है.

शराब दुकान के विरोध में महिलाओं ने की फेसिंग

» भाजपा के महिला आरक्षण विरोध पर कसा तंज, समर्थन न मिलने का आरोप

बालाघाट। बालाघाट शहर के वार्ड क्रमांक 25 में शराब दुकान के विरोध में महिलाएं लगातार प्रदर्शन कर रही हैं। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने ठेकेदार को दुकान में शराब की पेटियां रखने से रोका और दुकान के सामने फेसिंग भी कर दी।

महिलाओं का कहना है कि वे रात में दुकान के सामने सोती हैं, इसलिए जानवरों से बचाव के लिए यह फेसिंग लगाई गई है।

विरोध प्रदर्शन के दौरान महिलाएं शराब दुकान के सामने भजन-कीर्तन कर रही हैं और वहीं भोजन भी बना रही हैं। महिलाएं दिन-रात विरोध स्थल पर ही बिता रही हैं, जिससे उनका आंदोलन लगातार जारी है।

यह शराब दुकान भाजपा की दो बड़ी नेत्रियों, सांसद और नगर पालिका अध्यक्ष, के वार्ड में खुल रही है। दुकान हटाने में हो रही देरी को लेकर अब महिलाएं भाजपा के नारी आरक्षण के मुद्दे पर तंज कसने लगी हैं।

आंदोलन में शामिल सपना पिपलेवार ने कहा कि प्रदेश की मुख्यमंत्री महिला आरक्षण की बात करती हैं और बिल पास न होने पर भाजपा की महिलाएं सड़कों पर उतर आती हैं, लेकिन उनके इस विरोध में कोई साथ नहीं दे रहा है। उन्होंने बताया कि यह शांतिपूर्ण विरोध तब तक जारी रहेगा जब तक शराब दुकान को हटाया नहीं जाता।

केंद्र सरकार ने बालाघाट बॉक्साइट खनन पर रोक लगाई

वन्यजीवों की सुरक्षा, पौधारोपण पर मांगी रिपोर्ट; 16 से अधिक पेड़ काटे जाने

बालाघाट। बालाघाट जिले की बैहर तहसील में 62 हेक्टेयर आरक्षित वन भूमि पर प्रस्तावित बॉक्साइट खनन परियोजना पर केंद्र सरकार ने फिलहाल ब्रेक लगा दिया है। केंद्रीय वन सलाहकार समिति (स्नष्ट) ने पर्यावरण और वन्यजीवों की सुरक्षा को देखते हुए इस फैसले को टाल दिया है और मध्य प्रदेश सरकार से कई सवालों के जवाब मांगे हैं। यह खनन प्रोजेक्ट मेसर्स निसर्ग इस्पात प्राइवेट लिमिटेड को दिया जाना था। 117.51 हेक्टेयर के इस पूरे प्रोजेक्ट में 62 हेक्टेयर हिस्सा घने जंगलों का है। अगर यह प्रोजेक्ट शुरू होता, तो इलाके के 16,648 पेड़ों की बलि देनी पड़ती। समिति ने पाया कि यह क्षेत्र कान्हा-पेंच कॉरिडोर से सिर्फ 21 किलोमीटर दूर है और यहां बाघ, तेंदुआ, भालू और गौर जैसे जानवरों का बसेरा है।

आदिवासियों का कड़ा विरोध और ग्रामसभा की अनदेखी-इस प्रोजेक्ट को लेकर स्थानीय आदिवासियों में भारी गुस्सा है। 12 फरवरी को उकवा में हुए एक प्रदर्शन में आदिवासियों ने आरोप लगाया था कि सरकार ने बिना ग्रामसभा की अनुमति लिए खनन के लिए कागजी प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। जल-जंगल-जमीन बचाने के लिए क्षेत्र में लगातार आंदोलन चल रहा है।

कंपनी पर लगे गंभीर आरोप- तेंदुए की हत्या और साक्ष्य मिटाना- एक तरफ केंद्र ने तकनीकी आधार पर फाइल रोकी है, वहीं दूसरी तरफ जबलपुर के एक वकील ने कंपनी के खिलाफ पर्यावरण मंत्रालय में गंभीर शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कंपनी के परिसर में एक तेंदुए की संदिग्ध मौत हुई थी, जिसके बाद उसके अंगों के साथ छेड़छाड़ की गई और सबूत मिटाने की कोशिश की गई। इस वन्यजीव अपराध की जांच फिलहाल लंबित है और कंपनी के पट्टे निरस्त करने की मांग उठ रही है।

इन कमियों की वजह से रुका प्रोजेक्ट- वन सलाहकार समिति ने परियोजना को रोकने के लिए कई आपत्तियां जताई हैं- कंपनी ने बदले में पेड़ लगाने के लिए जो जमीन दिखाई, वह छोटे-छोटे टुकड़ों में है, जिसे समिति ने नामंजूर कर दिया। वाइल्डलाइफ विंग की आधिकारिक रिपोर्ट अभी तक जमा नहीं की गई है। प्रस्तावित क्षेत्र से गुजर रही बिजली की ट्रांसमिशन लाइन को लेकर संबंधित विभाग से अनुमति नहीं ली गई है।

आश्वासन के बावजूद नहीं हटी मंदिर व स्कूलों के पास संचालित शराब दुकानें

कटनी। जिले में नया आबकारी का ठेका हो चुका है और इस ठेका वर्ष में भी कई शराब दुकानें मंदिर व स्कूलों के पास संचालित की जा रही हैं। मंदिर व स्कूलों के पास शराब दुकानों के संचालन के मामले को बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद गंभीरता से लिया है और जिला प्रशासन व आबकारी विभाग को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि मंदिर व स्कूलों के पास संचालित शराब दुकानों को नहीं हटाया जाता तो आगामी दिनों में बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद संयुक्त रूप से धरना प्रदर्शन करते हुए स्थानीय जिला प्रशासन की अंतिम यात्रा शहर में निकाल कर अपना विरोध प्रकट करेगा। गौरतलब है कि बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद ने इस संबंध में बीते दिनों उग्र आंदोलन करते हुए जिला प्रशासन व आबकारी विभाग को मंदिर व स्कूलों के पास संचालित शराब दुकानों हटाने की मांग की थी। जिस पर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी 10 दिन के अंदर मंदिर व स्कूलों के पास संचालित शराब दुकानों को दूसरी जगह शिफ्ट करने का आश्वासन दिया था लेकिन आज तक जिला प्रशासन व आबकारी विभाग ने अपने आश्वासन पर अमल नहीं किया है। जिसके कारण बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों व कार्यकत्ताओं में भारी आक्रोश है तथा वो फिर एक बार आंदोलन करने का निर्णय कर लिया है। बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद के सह संयोजक राहुल दुबे ने कहा है कि इस बार जिला प्रशासन व आबकारी विभाग का संयुक्त रूप से अर्थी जूलूस शहर में निकाल कर मंदिर व स्कूलों के सामने संचालित शराब दुकानों को हटाने की मांग बुलंद की जाएगी।

शहडोल से 45 हाजियों का जत्था रवाना, नम आंखों से दी गई भावुक विदाई

अखिलेश द्विवेदी की रिपोर्ट

शहडोल। शनिवार का दिन शहडोल जिले के लिए खास और भावनात्मक रहा, जब यहां से लगभग 45 लोगों का जत्था पवित्र हज यात्रा के लिए रवाना हुआ। सभी हाजी शहडोल रेलवे स्टेशन से अपने इस अहम धार्मिक सफर पर निकले।

इस जत्थे में घरौला मोहल्ला, वार्ड क्रमांक 14 के निवासी परवेज खान और उनकी पत्नी जहीरुन निशा भी शामिल रही। उनके हज पर रवाना होने से पहले मोहल्ले में एक अलग ही आध्यात्मिक माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग उनके निवास स्थान पर एकत्र हुए और नात पढ़ते हुए उन्हें विदा करने के लिए पैदल ही स्टेशन तक पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर विदाई का दृश्य बेहद भावुक था। परिजन, रिश्तेदार और समाज के अन्य लोग हाजियों को फूलों की माला पहनाकर, गले लगाकर और दुआओं के साथ रुखसत कर रहे थे। इस दौरान कई लोगों की आंखें नम हो गईं और माहौल पूरी तरह भावनाओं से भर गया।

शहडोल रेलवे स्टेशन पर भी भारी भीड़ देखने को मिली, जहां मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी ने एक-दूसरे से गले मिलकर हज यात्रियों को अलविदा कहा और उनकी सुरक्षित एवं सफल यात्रा के लिए दुआएं मांगीं।

हज इस्लाम का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जिसे हर सक्षम मुस्लिम के लिए जीवन में एक बार करना आवश्यक माना गया है। ऐसे में इस पवित्र यात्रा पर रवाना हो रहे हाजियों के लिए यह पल जितना खास था, उतना ही उनके परिजनों और समाज के लोगों के लिए भावुक भी। यह विदाई न सिर्फ एक धार्मिक यात्रा की शुरुआत थी, बल्कि समुदाय की एकजुटता, आस्था और भावनात्मक जुड़ाव का भी जीवंत उदाहरण बन गई।

हाइवे पर लिफ्ट देना पड़ा भारीः ड्राइवर की बेरहमी से हत्या

» पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया

कटनी। जिले के स्लीमनाबाद थाना अंतर्गत कटनी-जबलपुर नेशनल हाइवे में छपरा गांव के पास एक ट्रक चालक की हत्या के मामले का शुक्रवार को पुलिस ने खुलासा कर दिया है। हत्या के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है, जबिक एक आरोपी अभी भी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। तीनों आरोपियों ने ट्रक चालक से लिफ्ट ली थी, जिसके बाद सभी शराब पी। जिसके बाद लिफ्ट लेने वाले युवकों ने ट्रक चालक से रूपयों की मांग की, जिसे नहीं देने पर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी थी। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने बताया कि 10-11 अप्रैल की 2026 की दरम्यानी रात डायल 112 को सूचना मिली थी कि छपरा नेशनल हाइवे रोड पर एक ट्रक में एक व्यक्ति लहूलुहान हालत में पड़ा है। जिसके बाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। घायल को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच के दौरान मृतक की पहचान जबलपुर जिले के सिहोरा के खितौला थाना क्षेत्र निवासीह राकेश दाहिया

(42)के रूप में हुई थी। मृतक युवक पेशे से ट्रक चालक था और जिस ट्रक में उसका शव मिला था उसी ट्रक को चलाता था। पुलिस ने मामला दर्ज कर प्रकरण की विवेचना शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदेहियों की तलाश शुरू की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संदेह के आधार पर बंधी गांव निवासी रोहित कोल और अमन चौबे को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने चालक की हत्या करना स्वीकार्य कर लिया है। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपने एक अन्य साथी मनोज के साथ मिलकर ट्रक ड्राइवर से लिफ्ट ली थी। रास्ते में सभी ने साथ बैठकर शराब पी, जिसके बाद आरोपियों ने ड्राइवर से पैसों की मांग की। ड्राइवर द्वारा पैसे देने से मना करने पर तीनों ने मिलकर हाथ-मुक्कों और व्हील पाना से हमला कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के आरोप में पुलिस ने आरोपी रोहित कोल (21) और अमन चौबे (22) को गिरफ्तार कर लिया है।

इस मामले में फरार तीसरे आरोपी मनोज की तलाश की जा रही है। हत्या का खुलासा करने में एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी, थाना प्रभारी सुदेश कुमार, उप निरीक्षक अनिल यादव और साइबर सेल के आरक्षक अजय साकेत, सत्येंद्र सिंह, अमित श्रीपाल सहित पूरी टीम की भूमिका रही। कार्रवाई एसपी के निर्देशन और एएसपी के मार्गदर्शन में की गई है।

जबलपुर में चाकू मारकर दोस्त की हत्या पत्नी से विवाद रोकने पर हुआ झगड़ा

जबलपुर। जबलपुर के पनागर थाना क्षेत्र के नया गांव में मामूली विवाद के चलते एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को घटना के कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, बिहार निवासी आदित्य पासवान पनागर स्थित जुपिटर वेगन फैक्ट्री में काम करता था। उसी फैक्ट्री में पश्चिम बंगाल निवासी सोमनाथ भी कार्यरत था। बताया जा रहा है कि मृतक सोमनाथ शराब के नशे में अपनी पत्नी से गाली-गलौज कर रहा था, जिस पर आदित्य ने आपत्ति जताई। इसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा और हाथापाई हो गई। विवाद के दौरान आदित्य ने कमरे में रखे सब्जी काटने वाले चाकू से सोमनाथ पर हमला कर दिया। वार कंधे के पास लगा, जिससे नस कट गई। गंभीर रूप से घायल सोमनाथ को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय के निर्देशन में एक टीम गठित की गई। पनागर थाना प्रभारी विपिन सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है।

चेन्नई की चेपॉक में करारी हार

सुदर्शन-शुभमन ने तोड़ा रोहित-ईशान का बड़ा रिकॉर्ड, गुजरात ने जीता मैच

साई सुदर्शन के 87 रन की मैच जिताऊ पारी खेली

चेन्नई। गुजरात ने चेन्नई सुपर किंग्स को आठ विकेट से हरा दिया है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेपॉक में चेन्नई ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 158 रन बनाए थे। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने नाबाद 74 रन की बेहतरीन पारी खेली। जवाब में गुजरात ने साई सुदर्शन के 87 रन के दम पर जीत हासिल की। सुदर्शन के अलावा कप्तान शुभमन गिल ने 33 रन और जोस बटलर ने नाबाद 39 रन बनाए। इस जीत के साथ गुजरात की टीम आठ मैचों में चार जीत और चार हार के साथ आठ अंक लेकर पांचवें स्थान पर आ गई है। वहीं, चेन्नई की टीम आठ मैचों में तीन जीत और पांच हार के साथ छठे स्थान पर है। गुजरात का अगला मैच 30 अप्रैल को अहमदाबाद में आरसीबी से है। वहीं, सीएसके की टीम दो मई को चेपॉक में मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी। शुभमन गिल और साई सुदर्शन के बीच 40 पारियों में यह 19वीं 50+ रन की साझेदारी रही, जो किसी भी भारतीय जोड़ी द्वारा सबसे ज्यादा है। इस जोड़ी ने रोहित शर्मा और ईशान किशन के 54 पारियों में बनाए गए 18 अर्धशतकीय साझेदारियों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। गुजरात के खिलाफ इस मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने सात विकेट गंवाकर 158 रन बनाए। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ का बल्ला आखिरकार चला और वह 60 गेंद में छह चौके और चार छक्कों की मदद से 74 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके अलावा सीएसके का कोई बल्लेबाज नहीं चला। पावरप्ले में सीएसके ने तीन विकेट गंवाकर 28 रन बनाए थे। वहीं, टीम 50 रन 12वें ओवर जाकर पूरी कर सकी। संजू सैमसन 11 रन, उर्विल पटेल चार रन और इम्पैक्ट सब के तौर पर उतरे सरफराज खान खाता खोले बिना आउट हुए। डेवाल्ड ब्रेविस भी दो ही रन बना सके। इसके बाद ऋतुराज ने शिवम दुबे के साथ 43 गेंद में 59 रन की साझेदारी निभाई। दुबे 17 गेंद में 22 रन बना सके। वहीं, जेमी ओवरटन ने छह गेंद में 18 रन बनाए। कार्तिक शर्मा नौ गेंद में 15 रन बना सके। गुजरात की ओर से रबाडा ने तीन विकेट और अरशद खान ने दो विकेट झटके। इसके अलावा सिराज और मानव सुथार को एक-एक विकेट मिला। राशिद खान ने सिर्फ एक ओवर गेंदबाजी की और आईपीएल इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ। जवाब में गुजरात ने 16.4 ओवर में दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। साई सुदर्शन ने 46 गेंद में चार चौके और सात छक्कों की मदद से 87 रन की पारी खेली। वहीं, गिल ने 23 गेंद में एक चौका और तीन छक्के की मदद से 33 रन बनाए। दोनों के बीच ओपनिंग विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी हुई।

मुश्किलें बढ़ा रही लोकप्रियता

महिला प्रशंसक ने अभिषेक का हाथ पकड़कर खींचा

जयपुर। सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। राजस्थान रॉयलस के खिलाफ भी उन्होंने शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अपनी तूफानी बल्लेबाजी के कारण वह प्रशंसकों में भी खासे लोकप्रिय हैं। यही लोकप्रियता अब उनकी मुश्किलें बढ़ा रही हैं। यहां एक महिला प्रशंसक ने अचानक ही उनका हाथ पकड़ लिया और अपनी ओर खींचने का प्रयास किया। इससे अभिषेक हैरान हो गये। इसी दौरान सुरक्षाकर्मियों ने हस्तक्षेप कर उन्हें छुड़ाया। इससे वह असहज और नाराज दिखे। यह घटना तब हुई जब अभिषेक अपनी टीम के होटल से स्टेडियम की ओर जा रहे थे।

भारत में जिस प्रकार से क्रिकेट का जुनून है उसमें प्रशंसक कभी-कभी अपने स्टार खिलाड़ियों को देखकर बेकाबू हो जाते हैं। वहीं कहा जा रहा है कि प्रशंसकों को भी खिलाड़ियों की निजी सुरक्षा और उनके स्पेस का सम्मान करना चाहिये। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अभिषेक परेशान दिख रहे हैं। वहीं सुरक्षाकर्मी उन्हें भीड़ से बचाने का प्रयास करते दिखे। हालांकि इस घटना के बाद भी अभिषेक की बल्लेबाजी पर कोई असर नहीं पड़ा से यादगार रही। उन्होंने महज 29 गेंदों में शानदार 57 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी इस विस्फोटक पारी में एक छक्का और 11 चौके शामिल थे, जिसने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस सत्र में ऑरेंज कैप की दौड़ में अभिषेक सबसे आगे हैं, जो उनकी शानदार निरंतरता को दर्शाता है

कैच छोड़ने पर करुण के बचाव में उतरे अश्विन

दिल्ली की हार के लिए टीम प्रबंधन को बताया जिम्मेदार

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स की हार के बाद से ही इसके पीछे के कारणों पर बहस चल रही है। इस मैच में केएल राहुल के शतक से दिल्ली ने 264 रनों का बड़ा स्कोर बनाया था पर उसे फिर भी हार झेलनी पड़ रही है। इसके लिए करुण नायर को भी एक कारण बताया जा रहा है। नायर ने इस मैच में पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर का कैच छोड़ दिया था। इसके कारण नायर को हार के लिए दोषी माना गया पर पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने करुण का बचाव करते हुए कहा कि हार का कारण टीम प्रबंधन की गलती है। मैच में पंजाब ने 265 रनों का लक्ष्य हासिल कर दिल्ली को हैरान कर दिया। इस मैच में दिल्ली की ओर से शतक लगाने वाले राहुल काफी थक गये थे। इस कारण वह दूसरी पारी में क्षेत्ररक्षण के लिए नहीं उतरे। यहीं दिल्ली कैपिटल्स प्रबंधन ने गलती कर दी। डसने बेहतरीन फील्डर ट्रिस्टन स्टब्स को विकेटकीपिंग के लिए उतार दिया। ऐसे में करुण को राहुल की जगह पर फील्डिंग के लिए उतारा गया पर उन्होंने दो कैच गिरा दिये। अश्विन ने नायर का बचाव करते हुए कहा कि, 'राहुल ने 150 रन बनाए और वे काफी थक गये थे। इसलिए उन्होंने बाहर बैठने का फैसला किया। जिसके कारण स्टब्स को विकेटकीपिंग करनी पड़ी। ऐसे समय में सब्स्टीट्यूट फील्डर के लिए अचानक खेल में आना और अच्छा प्रदर्शन करना आसान नहीं होता है।'

कार्लोस अल्काराज़ को बड़ा झटका: चोट के चलते फ्रेंच ओपन से बाहर

कहा-मैं और अधिक मजबूती के साथ वापसी करूंगा

नई दिल्ली। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ को एक बड़ा झटका लगा है। कलाई की चोट के कारण वे अगले महीने होने वाले फ्रेंच ओपन से बाहर हो गए हैं, जिससे उनका लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूट गया है। यह चोट उन्हें पिछले हफ्ते बार्सिलोना ओपन के दौरान दाहिने हाथ की कलाई में लगी थी। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें आराम की सलाह दी, जिसके बाद उन्होंने न केवल फ्रेंच ओपन, बल्कि इटालियन ओपन से भी हटने का मुश्किल फैसला लिया है। दोनों ही टूर्नामेंट क्ले कोर्ट पर खेले जाते हैं, जो अल्काराज़ का पसंदीदा सर्फेस माना जाता है और जहां वे आमतौर पर शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं।

अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अल्काराज़ ने इस दुखद खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, आज हुए टेस्ट के बाद हमने सावधानी बरतने का फैसला किया है। इसलिए, जब तक हम मेरी स्थिति का पूरी तरह से आकलन नहीं कर लेते, मैं रोम और रोलां गैरोस में हिस्सा नहीं लूंगा। उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए बेहद मुश्किल समय है, लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि मैं और अधिक मजबूती के साथ वापसी करूंगा। यह बयान उनकी निराशा और दृढ़ संकल्प दोनों को दर्शाता है, लेकिन प्रशंसकों के लिए यह खबर किसी झटके से कम नहीं है। 22 वर्षीय अल्काराज़ इस साल शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर की थी, जिससे वे करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। उनकी इस चोट ने उनके बेहतरीन प्रदर्शन पर अस्थायी रूप से विराम लगा दिया है। हाल ही में उन्होंने विश्व नंबर-1 की रैंकिंग जैनिक सिनर से गंवा दी थी। अब लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहने से उनकी रैंकिंग पर और असर पड़ने की आशंका है। जैनिक सिनर ने अल्काराज़ की चोट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, यह बहुत दुखद खबर है। इतनी कम उम्र में हमें अपने शरीर का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। उम्मीद है कि वे जल्द वापसी करेंगे और हम एक बार फिर शानदार मुकाबले देख पाएंगे।

धोनी अपनी वापसी के लिए टीम में बदलाव नहीं चाहते

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पूरी तरह से फिट होने के बाद भी अभी टीम संयोजन में बदलाव नहीं चाहते हैं इसलिए वह अभी टीम में वापसी नहीं करना चाहते हैं। शुरुआत में सीएसके प्रबंधन ने कहा था कि धोनी कुछ हफ्तों में वापसी करेंगे। उनकी पिंडली की चोट को लेकर दो हफ्ते का समय दिया गया था पर धोनी अब तक मैदान पर नहीं लौटे हैं। टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने धोनी की फिटनेस को लेकर कहा था कि धोनी के लिए सबसे बड़ी चुनौती उनकी पिंडली की चोट है, खासकर रन लेते समय उन्हें परेशानी होती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, धोनी पूरी तरह फिट हो गये हैं पर वह अपनी वापसी में देरी कर रहे हैं। धोनी ने टीम प्रबंधन को यह साफ कर दिया है कि केवल उन्हें टीम में शामिल करने के लिए संजोजन न बदला जाए। यह भी साफ है कि सीएसके प्रबंधन पने उन्हें मैदान पर उतारने की कोई जल्दी में नहीं है। मुख्य कोच कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा, वह अच्छी प्रगति कर रहे हैं। वह उबर रहे हैं और जो भी उनसे कहा जा रहा है, वह सब कर रहे हैं। अभी टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर संजू सैमसन अच्छा प्रदर्शन कर रहे है और धोनी भी किसी युवा खिलाड़ी की जगह लेने के लिए तैयार नहीं दिखते।

आईपीएल में आज दिल्ली और बेंगलुरु के बीच मुकाबला

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स की टीम सोमवार को यहां अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली स्टेडियम में रॉयल चैलेंसर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला करेगी। इसमें दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ हारने के कारण दिल्ली कैपिटल्स पर दबाव रहेगा और वह इस मैच में हर हाल में जीत चाहेगी। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए प्लेऑफ में अपनी जगह मजबूत करने के लिए बेहद अहम रहेगा।। दिल्ली की सबसे बड़ी कमजोरी गेंदबाजी है हो उसे ठीक करनी होगी। टीम के बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं पर गेंदबाज बड़े स्कोर का बचाव भी नहीं कर पा रहे रहे हैं। कप्तान अक्षर पटेल को अपने गेंदबाजों को और प्रेरित करना होगा। । कुलदीप यादव, मुकेश कुमार और टी नटराजन जैसे खिलाड़ियों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और डेथ ओवरों में सटीक लाइन-लेंथ के साथ उतरना होगा ताकि टीम जीत की राह पर लौट सके। वहीं बल्लेबाजी में दिल्ली का शीर्ष क्रम बेहद अच्छा है। केएल राहुल टीम को लगातार तेज शुरुआत दे रहे हैं, जिसमें पृथ्वी शॉ और पथुम निसांका भी आक्रामक अंदाज में रन बना रहे हैं। मध्यक्रम में नीतीश राणा और डेविड मिलर टीम को स्थिरता प्रदान करते हैं, जिससे टीम एक मजबूत स्कोर खड़ा करने में सक्षम होती है। वहीं दूसरी ओर रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी इस सत्र की सबसे अच्छी टीमों में से एक के रूप में उभरी है। टीम के पास अनुभवी बल्लेबाज और प्रभावी गेंदबाज दोनों मौजूद हैं, जो उन्हें एक मजबूत दावेदार बनाता है। उसके पस विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में जोश हेज़लवुड, भुवनेश्वर कुमार और सुयश शर्मा किसी भी बल्लेबाजी क्रम को रोकने में सक्षम है।

पूर्व कोच ने किया खुलासा : केकेआर ने क्यों छोड़ा कप्तान श्रेयस अय्यर को?

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा खिताब जीतने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर को रिलीज करने का फैसला लंबे समय से क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब टीम के पूर्व कोच चंद्रकांत पंडित ने इस निर्णय के पीछे की वजहों पर खुलकर बात की है। पंडित ने स्पष्ट किया है कि अय्यर को टीम से रिलीज करना किसी व्यक्तिगत कारण से नहीं लिया गया फैसला था।

चंद्रकांत पंडित ने बताया, हम उनसे चूक गए। श्रेयस एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्होंने कप्तान के तौर पर टीम को खिताब जिताया। लेकिन कई बार परिस्थितियां और टीम की रणनीति ऐसे फैसले लेने पर मजबूर कर देती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कोई जानबूझकर किया गया फैसला नहीं था, बल्कि चीजें टीम की उम्मीदों के मुताबिक नहीं चलीं। पंडित ने आगे कहा कि टीम चयन में कई पहलुओं को ध्यान में रखना पड़ता है, और कभी-कभी बड़े और कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं, जो बाहर से देखने पर अलग लगते हैं। उन्होंने फिल सॉल्ट जैसे अन्य खिलाड़ियों का भी उदाहरण दिया, जिन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई, जबकि वे भी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। पंडित ने कहा कि टीम सभी खिलाड़ियों की सराहना करती है। केकेआर से रिलीज होने के बाद, पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर को 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा। उनकी कप्तानी में टीम ने आईपीएल 2025 का फाइनल खेला और आईपीएल 2026 में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है, जिससे उनके नेतृत्व कौशल और बल्लेबाजी क्षमता की फिर से पुष्टि हुई है।

पंडित ने अय्यर के भारतीय टीम में चयन पर भी अपना बयान दिया। उन्होंने कहा, भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। टीम बनाते समय अनुभव और युवा खिलाड़ियों के बीच संतुलन बनाना होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर खिलाड़ी को मौका देना आसान नहीं होता, क्योंकि कई बार एक ही स्थान के लिए बराबरी के कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी उपलब्ध होते हैं। हालांकि, पंडित ने अय्यर की वापसी पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा, उनकी मौजूदा फॉर्म और आत्मविश्वास दिखाता है कि वह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह खेल को जीतने के इरादे से खेलते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

वैभव की बल्लेबाजी देखकर कमिंस भी हैरान हुए

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभाव सूर्यवंशी आईपीएल के हर मैच के साथ ही निखरते जा रहे हैं। वैभव ने यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 37 गेंद में 103 रनों की पारी खेली। ये वैभव का आईपीएल में इस सत्र का दूसरा शतक है। वैभव के इस शतक की सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने भी सराहना की है। वैभव ने जस प्रकार से इस सत में जसप्रीत बुमराह और जोश हेजलवुड जैसे तेज गेंदबालों को निशान बनाया। उसी प्रकार का व्यवहार उन्होंने कमिंस की गेंदों पर भी आक्रामक शॉट लगाये। वैभव ने कमिंस की पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। वैभव के इस अंदाज से कमिंस भी हैरान हुए बिना नहीं रहे। उन्होंने वैभव की इस प्रकार की बल्लेबाजी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस वह अब उनके सबसे पसंदीदा खिलाड़ी बन गये हैं। कमिंस ने कहा, 'एक गेंदबाज के तौर पर आपको लगातार अच्छी गेंदबाजी करनी होती है क्योंकि अगर आप विफल रहे तो बड़ा शॉट लगना तय है। अब वैभव मेरा नया पसंदीदा खिलाड़ी बना गया है। वह अपने ही अंदाज में खेलता है।' वैभव अपनी इस पारी के साथ ही सूर्यवंशी थोड़ी देर के लिए ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष खिलाड़ियों में बने हुए हैं। वैभव के अब आठ मैच के बाद 357 रन हैं। वैभव ने सनराइजर्स के खिलाफ 36 गेंद में शतक लगाया। जो दूसरा सबसे तेज शतक है। इससे पहले उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में ही शतक लगाया था।

प्रतिस्पर्धा तेज, जून में आने वाली तेल की खेपों के लिए बोली लगाना शुरू

भारत-चीन के बीच रूसी तेल को लेकर खींचतान, सऊदी अरब में भी लगाई सेंध

» भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई

नई दिल्ली। इजराइल-अमेरिका के साथ चल रहे ईरान युद्ध ने भारत और चीन को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है जहां 'दोस्ती' नहीं, बल्कि 'जरूरत' मायने रखती है। होर्मुज में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच ठप पड़ी शांति वार्ता ने वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की किल्लत पैदा कर दी है। इसके परिणामस्वरूप अब भारत और चीन के बीच रूसी तेल के हर एक बैरल को लेकर जबरदस्त खींचतान शुरू हो गई है, जिससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक होर्मुज के रास्ते में ईरान की घेराबंदी और खाड़ी देशों के तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगातार हो रहे हमलों ने मिडिल ईस्ट से आने वाले तेल की आपूर्ति पर ब्रेक लगा दिया है। कल तक जो भारत और चीन सऊदी अरब और इराक से बड़ी मात्रा में तेल खरीद रहे थे, आज वे अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह रूस की तरफ मुड़ गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि रूसी कच्चे तेल के लिए भारत और चीन के बीच मुकाबला अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून में आने वाली तेल की खेपों के लिए दोनों देशों ने अभी से ही बोली लगानी शुरू कर दी है, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी तीव्र हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध से पहले के आंकड़ों पर गौर करें तो चीन होर्मुज के रास्ते रोजाना करीब 44.5 लाख बैरल तेल मंगाता था, जो अप्रैल में घटकर मात्र 2.2 लाख बैरल रह गया। वहीं, भारत के लिए भी यह आंकड़ा 28 लाख बैरल से लुढ़ककर 2.4 लाख बैरल पर आ गया है, जो एक बड़ी गिरावट है। तेल भंडार के मामले में भारत की स्थिति चिंताजनक है। चीन के पास करीब तीन से चार महीने का तेल भंडार है, जबकि भारत के पास केवल 30 दिनों का बफर स्टॉक है। भारत सरकार ने अब तक पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाए हैं, जिससे देश में ईंधन की मांग कम नहीं हुई है। इसका सीधा मतलब है कि भारत को किसी भी कीमत पर तेल चाहिए, जो उसकी मोलभाव करने की क्षमता को कमजोर करता है। रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने हाल ही में एक इंटरव्यू में साफ किया कि भारत भारी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है और रूस इस सहयोग को आगे बढ़ाना चाहता है। उन्होंने अमेरिकी पाबंदियों को 'अवैध दबाव' करार दिया। अब हकीकत यह है कि भारत के पास अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस के अलावा कोई ठोस विकल्प नहीं है, खासकर जब वैश्विक बाजार में अन्य स्रोतों से आपूर्ति बाधित हो रही है। इस बीच चीन ने भारत की एक और प्रमुख तेल आपूर्ति स्रोत सऊदी अरब में भी सेंध लगा दी है। युद्ध से पहले भारत सऊदी अरब से अपना तेल आयात बढ़ा रहा था, लेकिन अब वहां भी चीन ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। सऊदी अरब ने चीन की रिफाइनरियों में मोटा पैसा लगा रखा है।

भारत को नरक कहने वालों.... दिखा असली नरक

» व्हाइट हाउस डिनर पार्टी में फायरिंग को लेकर बोलीं प्रियंका चतुर्वेदी

» ट्रंप ने बताया था भारत को नरक अब उन पर साधा जा रहा राजनीतिक तौर पर निशाना

नई दिल्ली। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग की घटना के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया है। इस घटना पर शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुराने बयान पर तीखा पलटवार किया है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिस देश ने भारत को 'नरक' कहा था, वह खुद गन हिंसा के कारण गंभीर संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने अमेरिका में बढ़ती गोलीबारी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए इसे एक बड़ी समस्या बताया। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान गोलियों की आवाज सुनाई देना बेहद चिंताजनक है। घटना के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

प्रियंका ने अपने पोस्ट में लिखा कि अमेरिका में बंदूक हिंसा एक पुरानी और गंभीर समस्या है, जिस पर हर बड़ी घटना के बाद चर्चा तो होती है, लेकिन ठोस समाधान नहीं निकलता। उन्होंने कहा कि इस समस्या के कारण स्कूली बच्चों, निर्दोष नागरिकों और यहां तक कि राजनीतिक नेताओं की भी जान जा चुकी है। इस घटना के बहाने उन्होंने ट्रंप के उस बयान को भी याद दिलाया, जिसमें भारत और भारतीय प्रवासियों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। प्रियंका ने कहा कि गन हिंसा से निपटने में विफलता के चलते अमेरिका खुद 'नरक जैसा' बनता जा रहा है।

शांति वार्ता के प्रयासों के बीच

अजरबैजान में पुतिन से मिलने को तैयार हैं जेलेंस्की

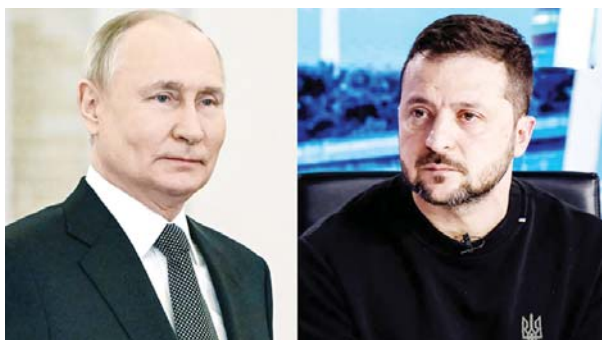

बाकू। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस के साथ जारी युद्ध को समाप्त करने की दिशा में एक बड़ा कूटनीतिक प्रस्ताव रखा है। दक्षिण कॉकेशस के अपने पहले आधिकारिक दौरे पर अजरबैजान पहुंचे जेलेंस्की ने राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद कहा कि वह बाकू में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने के लिए तैयार हैं। जेलेंस्की का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका की अगुवाई में रूस और यूक्रेन के बीच सुलह कराने की कोशिशें ईरान के साथ बढ़ते तनाव के कारण फिलहाल ठंडी पड़ती नजर आ रही हैं।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अजरबैजान की राजधानी बाकू में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि यूक्रेन के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि रूस इस गलत युद्ध को समाप्त करने की शक्ति जुटाए। उन्होंने अजरबैजान की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि बाकू इस व्यापक युद्ध को समाप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक सेतु बन सकता है। जेलेंस्की ने स्पष्ट किया कि कीव प्रशासन अजरबैजान, रूस और यूक्रेन के बीच त्रिपक्षीय बातचीत के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने याद दिलाया कि कीव पहले भी तुर्किए और स्विट्जरलैंड में इस तरह की शांति वार्ताओं में शामिल हो चुका है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि यदि रूस कूटनीतिक समाधान के लिए ईमानदारी से कदम बढ़ाता है, तो यूक्रेन अजरबैजान की धरती पर बातचीत की मेज पर आने को उत्सुक है। हालांकि, कूटनीतिक मोर्चे पर चुनौतियां अब भी बरकरार हैं क्योंकि क्रेमलिन लगातार अपनी मांगों पर अड़ा हुआ है और रूस के बाहर किसी अन्य स्थान पर वार्ता करने से कतराता रहा है। रूस की ओर से यूक्रेन पर सैन्य हमले और बमबारी का सिलसिला भी लगातार जारी है। दूसरी ओर, अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने जेलेंस्की के साथ अपनी मुलाकात के दौरान क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के मुद्दे पर चर्चा की।

मान सरकार ने हटा ली हरभजन की जेड प्लस सुरक्षा.....केंद्र ने दे दी

» सुरक्षा में यह बदलाव हाल के घटनाक्रमों से जुड़ा हुआ माना जा रहा

चंडीगढ़। पंजाब की राजनीति में हालिया घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया है, जब राज्य सरकार ने पूर्व क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद और पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह की जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस लेने का फैसला किया। यह कदम तब उठाया गया है, जब राज्य की सियासत में अंदरूनी खींचतान और संभावित बगावत की चर्चाएं तेज हैं। रविवार सुबह जालंधर स्थित उनके आवास से सुरक्षाकर्मियों को हटा लिया गया, जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई।

पंजाब की मान सरकार के फैसले के तुरंत बाद केंद्र ने हस्तक्षेप करते हुए हरभजन को सुरक्षा प्रदान कर दी। इससे संकेत मिला कि केंद्र और राज्य के बीच मुद्दे पर अलग-अलग दृष्टिकोण हो सकते हैं। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा में यह बदलाव हाल के घटनाक्रमों से जुड़ा हुआ माना जा रहा है, जिसमें आप के कुछ नेताओं के पार्टी छोड़ने की अटकलें

शामिल हैं। इसी कड़ी में राघव चडडा का नाम भी चर्चा में आया है। खबरों में दावा किया गया कि उन्होंने पार्टी के कई राज्यसभा सांसदों के संभावित दल-बदल की बात कही थी, जिसमें हरभजन सिंह का नाम भी जुड़ गया। हालांकि हरभजन ने भी इस पूरे मामले पर अभी तक कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं, आम आदमी पार्टी नेतृत्व ने इन अटकलों को खारिज कर स्थिति को सामान्य बताया है।

इस घटनाक्रम के बीच पार्टी कार्यकर्ताओं में असंतोष भी सामने आया है। जालंधर, लुधियाना और फगवाड़ा जैसे शहरों में कुछ नेताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए, जहां नाराज कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और दीवारों पर आपत्तिजनक टिप्पणियां लिखीं। इससे स्पष्ट होता है कि जमीनी स्तर पर भी स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। इस बीच राजनीतिक सक्रियता के तहत पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा है। माना जा रहा है कि वे संभावित दल-बदल के मामलों में संवैधानिक कार्रवाई की मांग उठा सकते हैं। दूसरी ओर, आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह भी इस मुद्दे को लेकर उपराष्ट्रपति से मुलाकात कर सकते हैं।

कैरोलिन लेविट को कैसे पता ट्रंप के कार्यक्रम में फायर-शॉट भी होगा

वाशिंगटन। अमेरिका में शनिवार की रात को जो कुछ भी हुआ, उस घटना ने हर किसी को चौंका दिया। हिल्टन होटल में जहां होनी थी एक ऐसी पार्टी, जिसमें सभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण को सुनने वाले और कहां उन्हें सुनाई दी गोलियों की तड़तड़ाहट। इस बीच व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का पुराना वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वीडियो व्हाइट हाउस कॉरेंसपॉन्डेंट्स डिनर में हुई गोलीबारी की घटना के बाद फिर से चर्चा में आ गया है। पत्रकारों का डिनर शुरू होने से कुछ समय पहले, लेविट ने मीडिया से बातचीत में दर्शकों से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का भाषण देखने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि ट्रंप का संबोधन काफी दिलचस्प और मनोरंजक होगा। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा था कि भाषण में कुछ तीखे हमले देखने को मिल सकते हैं, जिससे कार्यक्रम और आकर्षक बनेगा। उस समय उनके बयान को राजनीतिक कटाक्ष और मजाक की तरह देखा गया लेकिन लेविट का फायर-शॉट वाला मजाक कार्यक्रम के दौरान बिल्कुल सही साबित हुआ। दअरसल लेविट ने कार्यक्रम से पहले पूछा गया था कि आज पत्रकारों के सामने ट्रंप क्या बोलने वाले हैं? इस पर लेविट ने कहा था कि उन्होंने खुद ही अपना भाषण लिखा है और वे ही जानते हैं कि वे क्या कहने वाले हैं, लेकिन ये बिल्कुल क्लासिक ट्रंप का स्टाइल होगा। उन्होंने कहा कि वे पूरे हाल को अपनी बातों से हिलाकर रख देने वाले है। इसके बाद लेविट ने मजाक में कहा कि मजे के साथ-साथ कुछ फायर शॉट भी देखने को मिल सकते है।

खाड़ी मिशन पर एनएसए डोभाल, अबू धाबी में यूएई राष्ट्रपति से अहम मुलाकात

सऊदी अरब दौरे के बाद बढ़ाया कूटनीतिक संपर्क, क्षेत्रीय तनाव और सुरक्षा मुद्दों पर हुई चर्चा

अबू धाबी। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल खाड़ी देशों के अहम दौरे पर हैं। इसी क्रम में उन्होंने अबू धाबी पहुंचकर संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जाएद अल नाहयान से मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस उच्चस्तरीय बैठक में क्षेत्रीय स्थिरता, पश्चिम एशिया के मौजूदा भू-राजनीतिक हालात और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। खास तौर पर इजरायल-ईरान तनाव के बाद क्षेत्र में पैदा हुए असंतुलन और उसके संभावित प्रभावों पर दोनों पक्षों ने विचार-विमर्श किया। डोभाल का यह दौरा भारत की खाड़ी नीति के तहत रणनीतिक संपर्क बढ़ाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। इससे पहले वह सऊदी अरब का भी दौरा कर चुके हैं, जहां उन्होंने ऊर्जा, विदेश और सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें की थीं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर की जा रही है और इसका उद्देश्य खाड़ी देशों के साथ भारत के संबंधों को और मजबूत करना है। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में हुई बैठकों में चार प्रमुख मुद्दों पर फोकस किया गया था, जिनमें वैश्विक व्यापार मार्गों की सुरक्षा, सप्लाई चेन की स्थिरता, होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा चिंताएं, खुफिया सहयोग बढ़ाना और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच भारत अपने रणनीतिक और आर्थिक हितों को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय कूटनीति अपना रहा है। डोभाल की यह यात्रा न सिर्फ सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है, बल्कि इससे भारत और खाड़ी देशों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी को भी नई मजबूती मिलने की उम्मीद है।

नेपाल में प्राइवेट स्कूलों के लिए बनाए नए नियम, क्या भारत में भी होंगे लागू?

» प्राइवेट स्कूल बंद होने की खबरें गलत, नेपाल में मुख्य फोकस अवैध फीस वसूली पर

नई दिल्ली। नेपाल में सभी प्राइवेट स्कूलों को पूरी तरह बंद करने की खबर सच नहीं है। पिछले कुछ दिनों से भारत में सोशल मीडिया पर खबर चल रही हैं कि नेपाल में सभी प्राइवेट स्कूलों को बंद कर दिया जाएगा और सवाल यह भी किए जा रहे थे कि क्या भारत में भी प्राइवेट स्कूलों को लेकर ऐसा फैसला लिया जा सकता है? पड़ताल में सामने आया कि नेपाल सरकार शिक्षा सुधार के तहत प्राइवेट स्कूलों की मनमानी रोकने की तैयारी कर रही है, बंद करने का ऐसा कोई आदेश सामने नहीं आया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल में मुख्य फोकस अवैध रूप से वसूली गई फीस वापसी, सरकारी नियमों के पालन पर है। सरकारी शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए कोचिंग सेंटरों पर लगाम लगाने और 5वीं कक्षा तक की परंपरागत परीक्षाएं खत्म करने पर है। नेपाल में स्कूलों से जुड़ी खबरों में सामने आया कि नेपाल के शिक्षा मंत्रालय ने प्राइवेट स्कूलों को तय सीमा से ज्यादा फीस न लेने की चेतावनी दी है। अभिभावकों ने एडमिशन और सालाना शुल्क में मनमानी की शिकायतें की हैं, खासकर नए सत्र के समय। मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि सत्र शुरू होने के बाद ही प्रवेश लिया जाए। साथ ही कोचिंग सेंटरों की मनमानी पर भी रोक लगाने की कोशिश हुई है। सरकार ने 5वीं तक पारंपरिक परीक्षाएं खत्म कर दी है और अब बच्चों का मूल्यांकन वैकल्पिक व मनोवैज्ञानिक तरीकों से किया जाएगा, ताकि सीखने का माहौल तनावमुक्त बन सके। प्राइवेट स्कूलों की ऐक्शन कमिटी के अध्यक्ष, भरत अरोड़ा ने कहा कि प्राइवेट स्कूलों को बंद करना कोई समाधान नहीं है। बता दें दिल्ली में 2 हजार से ज्यादा प्राइवेट स्कूल हैं। सीबीएसई के देश में 35 हजार स्कूल हैं, जिसमें से आधे से भी ज्यादा प्राइवेट हैं। प्राइवेट स्कूल भारत के राष्ट्र निर्माण में स्वतंत्रता के समय से ही एक सशक्त सहयोगी रहे हैं। शिक्षा में इनोवेशन, गुणवत्ता और व्यापक अवसरों को बढ़ावा देते है। संस्थान सामाजिक उत्तर दायित्व को भी सुदृढ़ करते हैं। फीस का मुद्दा है तो देश में हर राज्य के ऐक्ट के हिसाब से नियम लागू किए जाते हैं। निजी और सरकारी स्कूलों के बीच गुणवत्ता का बड़ा अंतर और सरकारी व्यवस्था की गिरावट इसकी मुख्य वजह है।

भारत का मोस्ट वांटेड ड्रग तस्कर सलीम डोला इस्तांबुल में हुआ गिरफ्तार

कमांडो कार्रवाई का वीडियो वायरल, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर बड़ा खुलासा संभव

इस्तांबुल। तुर्की के इस्तांबुल में एक बड़े ऑपरेशन के तहत भारत के मोस्ट वांटेड ड्रग तस्कर सलीम डोला को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस कार्रवाई को तुर्की की खुफिया एजेंसी नेशनल इंटेलीजेंस ऑर्गनाइजेशन और इस्तांबुल पुलिस के नारकोटिक्स डिविजन ने संयुक्त रूप से अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी इस्तांबुल के बेयलिकदुज़ु इलाके में एक फ्लैट में छिपा हुआ था। खुफिया इनपुट के आधार पर कमांडो टीम ने सटीक योजना बनाकर छापा मारा। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में हथियारों से लैस सुरक्षाकर्मी फ्लैट में घुसते हुए और आरोपी को काबू में लेते दिखाई दे रहे हैं। गिरफ्तारी के बाद सलीम डोला को कड़ी सुरक्षा में पूछताछ के लिए ले जाया गया है। अधिकारियों को उम्मीद है कि उससे अंतर्राष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं। भारत में भी सलीम डोला कई मामलों में वांछित था। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था, जबकि मुंबई पुलिस भी लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी था, जिससे उसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खोज की जा रही थी।

फर्जी पहचान का इस्तेमाल– गिरफ्तारी के समय उसके पास संयुक्त अरब अमीरात का पासपोर्ट मिला, जिससे संकेत मिलता है कि वह फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर रहा था। जांच एजेंसियों के अनुसार, वह विदेश में रहते हुए भी ड्रग तस्करी के नेटवर्क को संचालित कर रहा था। सलीम डोला का नाम अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के नेटवर्क से भी जोड़ा जाता रहा है। ऐसे में उसकी गिरफ्तारी को अंतरराष्ट्रीय अपराध जगत के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। फिलहाल तुर्की की एजेंसियां उससे गहन पूछताछ कर रही हैं, जबकि भारतीय एजेंसियां भी इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं।

33% हिस्सेदारी की मांग, नेताओं ने सरकार को घेरा

महिला आरक्षण को लेकर कांग्रेस ने किया भोपाल में पैदल मार्च

» आरक्षण लागू करने में जानबूझकर देरी

भोपाल। राजधानी भोपाल में महिला आरक्षण को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग को लेकर बड़ा पैदल मार्च निकाला। प्लेटिनम प्लाजा से शुरू होकर यह रैली रोशनपुरा चौराहे तक पहुंची, सेकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। पूरे रास्ते नारेबाजी और प्रदर्शन का माहौल बना रहा।

इस मार्च की खास बात महिलाओं की बड़ी भागीदारी रही। हाथों में तख्तियां और नारों के साथ महिलाएं 'आधी आबादी का पूरा हक' और 'अभी लागू करो आरक्षण' जैसे संदेश देती नजर आईं। कई महिलाएं छोटे बच्चों को गोद में लेकर भी इस प्रदर्शन में शामिल हुईं, जिससे आंदोलन की गंभीरता साफ दिखाई दी। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर जानबूझकर देरी की जा रही है। पार्टी का कहना है कि मौजूदा 543 लोकसभा सीटों पर ही बिना किसी बहाने के तुरंत आरक्षण लागू किया जाना चाहिए।

नेतृत्व में दिखी एकजुटता, कई बड़े नेता रहे मौजूद- पैदल मार्च का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने किया। उनके साथ महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया, विधायक और अन्य वरिष्ठ नेता भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान पार्टी ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए मुद्दे को और मजबूती से उठाया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि महिलाओं को उनका संवैधानिक हक दिलाने के लिए कांग्रेस पूरी ताकत से लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया जाएगा और 33 प्रतिशत आरक्षण लागू कराने के लिए प्रस्ताव लाया जाएगा। सिंघार ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार इस मुद्दे पर गंभीर नहीं है और सिर्फ दिखावटी कदम उठा रही है।

आरक्षण देना कोई उपकार नहीं, बल्कि उनका अधिकार- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि महिलाओं को आरक्षण देना कोई उपकार नहीं, बल्कि उनका अधिकार है। उन्होंने घोषणा की कि कांग्रेस विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का संकल्प पेश करेगी। पटवारी ने कहा कि अब बहानों का समय खत्म हो चुका है और सरकार को तुरंत निर्णय लेना चाहिए।

न्यू मार्केट से होते हुए रोशनपुरा पहुंचा मार्च- यह पैदल मार्च न्यू मार्केट होते हुए रोशनपुरा चौराहे पहुंचा, जहां सभा के रूप में इसका समापन हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने लगातार नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को दोहराया और सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश की। महिला आरक्षण का मुद्दा अब प्रदेश की राजनीति में बड़ा विषय बन चुका है। कांग्रेस के इस प्रदर्शन के बाद यह संकेत मिल रहे हैं कि आने वाले दिनों में यह मुद्दा और तेज हो सकता है।

स्वास्थ्य कर्मचारियों का हल्ला बोल, 5 महीने से वेतन नहीं

» 4 मई से शुरू होगा आर-पार का आंदोलन

» मध्य प्रदेश के 30 हजार आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों का बड़ा आंदोलन

भोपाल। एमपी में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के करीब 30 हजार आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों ने चार मई से चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। कर्मचारियों का आरोप है कि पिछले पांच से छह महीनों से उन्हें नियमित वेतन नहीं मिला है, जिससे आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि अल्प वेतन के साथ-साथ वेतन विसंगतियां, एनपीएस, स्वास्थ्य बीमा, अवकाश और महंगाई भत्ते जैसे अधिकारों से भी उन्हें वंचित रखा जा रहा है। लगातार अनियमित भुगतान के कारण परिवार चलाना मुश्किल हो गया है और बच्चों की पढ़ाई तक प्रभावित हो रही है।

ज्ञापन से लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल तक- आंदोलन की रूपरेखा के तहत चार मई को सभी जिला मुख्यालयों पर राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके बाद 18 मई को सीएमएचओ कार्यालयों में प्रमुख सचिव के नाम ज्ञापन दिया जाएगा। वहीं 25 मई को भोपाल में उपमुख्यमंत्री के बंगले के सामने अनिश्चितकालीन क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की जाएगी।

मांगें न मानने पर ठप हो सकती हैं स्वास्थ्य सेवाएं

कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द मांगें नहीं मानी गईं तो स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं, जिसकी जिम्मेदारी सरकार पर होगी। वेतन संकट के चलते आक्रोशित कर्मचारियों का कहना है कि बार-बार आश्वासन के बाद भी उनकी बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया है, जिसके कारण अब वे सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर हैं।

प्लॉट मालिकों की भोपाल के न्यू मार्केट में बैठक, बिल्डर पर कार्रवाई की मांग

सीहोर में खरीदे प्लॉट,14 साल बाद भी नहीं हुआ विकास

भोपाल। सीहोर जिले के ग्राम चांदी स्थित कॉलोनी में कुछ लोगों ने साल 2012 में प्लॉट खरीदे थे। प्लॉट मालिकों का आरोप है कि डीएचएल इंफ्राबुल्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड ने 32 सुविधाओं का वादा कर प्लॉट बेचे, लेकिन 14 साल बाद भी विकास कार्य नहीं किए गए। इसी मुद्दे पर रविवार भोपाल में प्लॉट मालिकों की बैठक हुई। प्लॉट मालिकों ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने कॉलोनी डेवलपमेंट के नाम पर प्लॉट खरीदारों से डेवलपमेंट चार्ज वसूला, लेकिन अभी तक जमीन पर कोई विकास कार्य नहीं हुआ और केवल कागजी प्रक्रिया ही पूरी की गई है।

बिल्डर के खिलाफ शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई- बैठक में कॉलोनी के विकास के लिए समिति बनाने और बिल्डर के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई करने पर चर्चा हुई। प्लॉट मालिकों ने बताया कि वे पहले भी बिल्डर के खिलाफ आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, लोकायुक्त, मानवाधिकार आयोग और भोपाल व सीहोर कलेक्टर कार्यालय में शिकायत दर्ज करा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लंबे समय से कार्रवाई नहीं होने से नाराज प्लॉट मालिकों ने कहा है कि वे 14 साल से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई परिणाम नहीं निकला। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जल्द उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

कंपनी ने कहा- आरोप निराधार- वहीं कंपनी ने कई प्लॉट मालिकों को नोटिस भी भेजा है। नोटिस के अनुसार, डीएचएल इंफ्राबुल्स इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार और मानहानिकारक बताया है। कंपनी का कहना है कि उसने 15 सालों के अनुभव के साथ विभिन्न शहरों में कई रियल एस्टेट प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक विकसित किए हैं। कुछ लोग ग्राहकों को फोन और व्हाट्सएप के जरिए गुमराह कर रहे हैं, झूठी जानकारी फैला रहे हैं और कंपनी की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

सेवा निवृत्ति के बाद भी सेवा का जज़्बा रहता है जीवित : डीजीपी मकवाणा

» डीजीपी के मुख्य आतिथ्य में हुआ 41वां वरिष्ठ सदस्य एवं मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस राज्य सेवा संवर्ग के सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों के संगठन द्वारा 41वां वरिष्ठ सदस्य एवं मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह आज भोपाल के नर्मदापुरम रोड स्थित वृंदावन गार्डन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा कि सेवा निवृत्ति के बाद भी कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और समाज के प्रति समर्पण की भावना जीवनभर बनी रहती है। उन्होंने राज्य सेवा संवर्ग के सेवानिवृत्त अधिकारियों को विभाग की सुदृढ़ नींव बताते हुए कहा कि उनके अनुभव, कार्यशैली और जीवन मूल्यों से नई पीढ़ी निरंतर प्रेरणा प्राप्त कर रही है। डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि विभाग सेवानिवृत्त अधिकारियों के अनुभवों को संरक्षित कर उनका संस्थागत उपयोग सुनिश्चित करने की दिशा में गंभीरता से कार्य कर रहा है। पेंशनर्स के साथ सतत संवाद, उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण, थाना एवं इकाई स्तर पर बेहतर समन्वय तथा एक समर्पित हेल्प सिस्टम विकसित किया जा रहा है। साथ ही, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म/पोर्टल के माध्यम से सेवानिवृत्त अधिकारियों को पुन: रोजगार, सुरक्षा सेवाओं एवं परामर्शदात्री भूमिकाओं से जोड़ने की पहल की जा रही है, जिससे उनकी सक्रिय भागीदारी निरंतर बनी रहे। उन्होंने पेंशनर्स की सुविधा हेतु बैंकिंग लाभ, दुर्घटना सहायता, स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी एवं समन्वय तंत्र को और सुदृढ़ करने की बात कही, ताकि प्रत्येक सेवानिवृत्त अधिकारी तक समय पर सहायता और सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। डीजीपी श्री मकवाणा ने पुलिस वेलफेयर को विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में बताते हुए कहा कि पुलिस परिवारों के स्वास्थ्य, शिक्षा, आपात सहायता और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर पर वेलफेयर गतिविधियों को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से चेक भी प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि चिकित्सा सहायता, आकस्मिक सहायता, छात्रवृत्ति एवं अन्य योजनाओं के माध्यम से पुलिस परिवारों को व्यापक सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

भोपाल मंडल की 10 ट्रेनों में बढ़ेगी एसी इकॉनॉमी सुविधा, जून से होगा बदलाव

भोपाल। यात्रियों की बढ़ती मांग और किफायती एसी यात्रा की जरूरत को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने बड़ा फैसला लिया है। मंडल से संचालित 10 प्रमुख ट्रेनों में कोच संरचना में बदलाव करते हुए अब 3-टियर एसी कोच की जगह 3AC इकॉनॉमी कोच लगाए जाएंगे। यह बदलाव जून 2026 से चरणबद्ध तरीके से लागू होगा। रेलवे का मानना है कि 3AC इकॉनॉमी कोच के जुड़ने से ज्यादा यात्रियों को कम किराए में एसी सुविधा मिल सकेगी। इससे वेटिंग लिस्ट का दबाव भी कम होगा और लंबी दूरी की ट्रेनों में सीट उपलब्धता बेहतर होगी।

इन ट्रेनों में होगा बदलाव- भोपाल मंडल की जिन ट्रेनों में यह सुविधा शुरू की जा रही है, उनमें रानी कमलापति-रीवा, रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन, भोपाल-सिंगरौली, भोपाल-चोपन और भोपाल-धनबाद रूट की ट्रेनें शामिल हैं। इन सभी ट्रेनों में जून के मध्य से अलग-अलग तारीखों में नया कोच जोड़ा जाएगा।

इन ट्रेनों में मिलेगी सुविधा- 15 जून से रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस, 16 जून से रीवा-रानी कमलापति एक्सप्रेस, 17 जून से रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस, 20 जून से निजामुद्दीन-रानी कमलापति व भोपाल-सिंगरौली एक्सप्रेस, 21 से 24 जून के बीच चोपन और धनबाद रूट की ट्रेनों में भी बदलाव लागू होगा।

भोपाल में एयर इंडिया की फ्लाइट रद्द 175 यात्री परेशान, किया हंगामा

» मुंबई से आई फ्लाइट में मिली तकनीकी खराबी

भोपाल। भोपाल एयरपोर्ट पर रविवार को एक अहम उड़ान तकनीकी खराबी के चलते रद्द कर दी गई। मुंबई-भोपाल-मुंबई रूट पर संचालित एयर इंडिया की इस फ्लाइट के रद्द होने से करीब 175 यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, संबंधित फ्लाइट मुंबई से भोपाल पहुंची थी, लेकिन यहां तकनीकी समस्या सामने आने के बाद इसे आगे के लिए रद्द कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाइट को 'टेक्निकल ग्राउंड' किया गया, जिसके कारण यात्रियों को आगे की यात्रा नहीं मिल सकी।

देरी से पहुंची थी फ्लाइट- बताया गया कि फ्लाइट भोपाल एयरपोर्ट पर निर्धारित समय से देरी से पहुंची और करीब 3:30 बजे लैंड हुई। देरी के बाद तकनीकी जांच में खामी सामने आई, जिसके चलते उड़ान को रद्द करने का फैसला लिया गया।

175 यात्रियों पर पड़ा असर- इस फ्लाइट से लगभग 175 यात्रियों को भोपाल से मुंबई के लिए रवाना होना था, लेकिन अचानक रद्द होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि एयरलाइन की ओर से तकनीकी कारणों की विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। हंगामे की भी सूचना घटना के दौरान एयरपोर्ट पर कुछ यात्रियों द्वारा हंगामा किए जाने की भी जानकारी सामने आई है। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

एयरलाइन अधिकारियों का कहना है कि मामले को लेकर जल्द ही आधिकारिक जानकारी और अपडेट जारी किया जाएगा। फिलहाल तकनीकी कारणों को ही फ्लाइट रद्द होने की वजह बताया जा रहा है।

कूनो नेशनल पार्क-चीतों का नया घर ही नहीं, अब सफल ग्लोबल ब्रीडिंग सेंटर

» प्रोजेक्ट चीता की बड़ी सफलता-कूनो में 57 हुये चीते

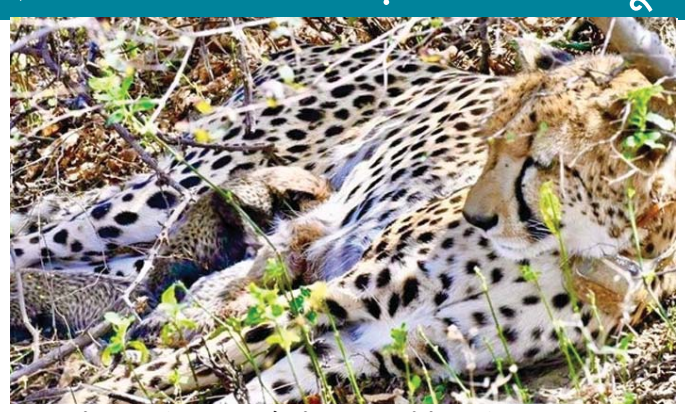

भोपाल। मध्यप्रदेश का कूनो नेशनल पार्क अब चीतों का केवल आश्रय स्थल नहीं रहा, बल्कि एक सफल चीता प्रजनन केन्द्र के रूप में दुनिया भर में अलग पहचान बना चुका है। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीते यहां की जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र में पूरी तरह से रच बस गये हैं। कूनो की धरती अब आये दिन नन्हे शावकों की किलकारियों से गूंज रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का लुप्त हो चुके चीतों के देश में फिर से बसाने का सपना 'प्रोजेक्ट चीता' मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केन्द्र-राज्य के विभागों के समन्वय और प्रबंधन से वन्य-जीव संरक्षण के क्षेत्र में नये इतिहास लिखे जाने के साथ साकार हो रहा है।

प्रोजेक्ट चीता का प्रारंभिक चरण शुरुआती चुनौतियों से भरा हुआ था, लेकिन कूनो की आबोहवा और विभाग के विशेषज्ञों के कुशल प्रबंधन ने सभी चुनौतियों से पार पाते हुए वन्य-जीव संरक्षण की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लुप्त प्रजाति की पुनर्स्थापना का सफलतम पर्याय बना दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, यहां की भौगोलिक परिस्थितियां और पर्याप्त शिकार चीतों के प्रजनन के लिए बेहद अनुकूल सिद्ध हुए हैं। मादा चीतों द्वारा लगातार शावकों को जन्म देना इस बात का प्रमाण है कि वे तनावमुक्त हैं और कूनो को अपना प्राकृतिक आवास मान चुकी हैं।

बढ़ता कुनबा : प्रोजेक्ट चीता की नई उड़ान- अप्रैल 2026 में मादा चीता गामिनी ने 3 स्वस्थ शावकों को जन्म दिया। इससे पहले फरवरी-मार्च 2026 में ज्वाला, निर्वा और आशा भी शावकों को जन्म दे चुकी हैं। कूनो में चीतों की संख्या अब 57 हो चुकी है। 27 से अधिक शावकों का जन्म भारत में ही हुआ है, जो इस परियोजना की सबसे बड़ी सफलता है। फरवरी 2026 में बोत्सवाना से 8-9 नए चीते लाए गए, जिससे परियोजना को और मजबूती मिली। कूनो का ब्रीडिंग सेंटर बनना केवल पर्यावरणीय उपलब्धि नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। चीतों की बढ़ती संख्या के साथ यहां वाइल्डलाइफ टूरिज्म की संभावनाएं कई गुना बढ़ गई हैं।

जॉब के लिए अपने जिले में दें इंटरव्यू

युवा संगम में ऑन-स्पॉट मिलेंगे ऑफर लेटर

भोपाल। अगर आप नौकरी की तलाश में हैं, तो अब आपको भटकने की जरूरत नहीं है। मध्य प्रदेश सरकार के 'युवा संगम' कार्यक्रम के तहत अब आपको अपने ही जिले में रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि योग्य युवाओं को कंपनियों द्वारा ऑन-स्पॉट ऑफर लेटर दिए जाएंगे। एमपी के श्रम विभाग की पहल पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग और कौशल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस अभियान में स्वरोजगार, प्राइवेट नौकरी और अप्रेंटिसशिप के मौके एक ही मंच पर उपलब्ध होंगे।

युवा संगम में मिलेंगे जॉब- युवा संगम में इस बात पर जोर दिया गया है कि जॉब फेयर पूरे प्रदेश में एक साथ कार्यक्रम करने के बजाय, जिलों को अलग-अलग सप्ताहों और दिनों में बांटकर कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप दिया गया है, ताकि हर जिले में युवाओं को बिना किसी अफरा-तफरी के रोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर मिल सकें। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को उनके अपने जिले में ही इंटरव्यू देने और रोजगार प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करना है। उन्हें रोजगार के लिए दूर-दराज के बड़े शहरों में भागने की जरूरत न पड़े, इसलिए यह विकेंद्रीकृत (डिसेंट्राइज) शेड्यूल तैयार किया गया है। शेड्यूल के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि संबंधित विभागों (MSME, कौशल विकास, श्रम विभाग) की टीमें और नियोक्ताओं (कंपनियों) का प्रतिनिधिमंडल सही समय पर सही जिले में मौजूद रहे, ताकि ऑन-स्पॉट इंटरव्यू और ऑफर लेटर देने की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सके। अलग-अलग दिनों में अलग-अलग जिलों को कवर करने से प्रशासन और नियोक्ताओं का ध्यान उस विशिष्ट जिले के युवाओं पर पूरी तरह केंद्रित रहता है, जिससे अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ने में मदद मिलती है।

स्वामी प्रकाशक मुद्रक हरीश कासेकर द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स एवं पब्लिशर प्लॉट नंबर 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्पलेक्स भोपाल म.प्र. से मुद्रित कर बी17 बी राजहर्ष कॉलोनी अकबरपुरा विनीत कुंज के पास हुजूर भोपाल म.प्र. पिन कोड 462042 से प्रकाशित
संपादक- हरीश कासेकर मो. 9425010003, उप संपादक- अजीत सक्सेना मो. 9827315964, सहायक उपसंपादक - भारती लोधी मो.6265288308, कार्यालय दूरभाष-0755-4050606 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)। pradeshvartman@gmail.com